दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | सीहोर जिले, नर्मदापुरम् संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा | वर्ष-23 अंक-139 | सीहोर,शनिवार 18 जुलाई 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य -1 रूपये | सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

नाम के आगे से डॉक्टर हटा लो..' रेप पीड़िता को भर्ती न करने पर सुप्रीम कोर्ट का डॉक्टरों पर फूटा गुस्सा

नई दिल्ली,(आरएनएस)। गाजियाबाद में 4 साल की मासूम रेप पीड़िता को इलाज न देने और उसे भर्ती करने से साफ इनकार करने वाले दो निजी अस्पतालों पर सुप्रीम कोर्ट ने बेहद सख्त रुख अपनाया है। बच्ची की मौत के इस दर्दनाक मामले में चीफ जस्टिस सूर्यकांत की बेंच ने संवेदनहीनता की हदें पार करने वाले इन अस्पतालों को कड़ी फटकार लगाई है। अदालत ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि आपने उस मासूम बच्ची को सिर्फ इसलिए नजरअंदाज कर दिया क्योंकि वह गरीब थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर आप अपना फर्ज नहीं निभा सकते, तो आपको अपने नाम के आगे 'डॉक्टर' शब्द लगाने का कोई हक नहीं है।

'फीस नहीं दे सकते थे, इसलिए तड़पने दिया?'

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान चिकित्सा पेशे से जुड़ी जिम्मेदारी याद दिलाते हुए गहरी निराशा व्यक्त की। बेंच ने अस्पतालों से सीधा सवाल किया कि यदि आपके अंदर थोड़ी भी संवेदनशीलता होती तो आप बच्ची को तुरंत एडमिट करते। अगर अस्पताल में संसाधन नहीं थे, तो बच्ची को फौरन किसी दूसरी जगह रेफर किया जा सकता था। चीफ जस्टिस ने कहा कि अस्पतालों ने उसे मरने के लिए इसलिए छोड़ दिया क्योंकि उसके गरीब परिजन आपकी फीस का बोझ नहीं उठा सकते थे। इसके साथ ही, अदालत ने इन निजी अस्पतालों को निर्देश दिया है कि वे पीड़ित परिवार की मदद के तौर पर उन्हें कुछ धनराशि दान करें।

दरिंदगी के बाद दर-दर भटके परिजन, पुलिस ने भी मोड़ा मुंह

दिल दहला देने वाली यह घटना 16 मार्च की है। एक हैवान ने चार साल की बच्ची को चॉकलेट दिलाने के बहाने अगवा कर उसके साथ दरिंदगी की और उसे खून से लथपथ हालत में बदहवास छोड़कर फरार हो गया। कई घंटों की तलाश के बाद परिजनों को बच्ची बेसुध मिली। जान बचाने की आस में परिजन बच्ची को लेकर दो प्राइवेट अस्पतालों के चक्कर काटते रहे, लेकिन किसी ने उसे भर्ती नहीं किया। अंतत: जब वे उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे, तो डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

वंदे मातरम् के अपमान पर भी होगी सजा, संसद के मानसून सत्र में आएगा संशोधन विधेयक

नई दिल्ली,(आरएनएस)। केंद्र सरकार राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् को कानूनी संरक्षण देने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971 में संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। प्रस्तावित विधेयक संसद के आगामी मानसून सत्र में पेश किया जाएगा। यदि यह संसद से पारित होकर कानून बनता है, तो राष्ट्रगान की तरह राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् का भी जानबूझकर अपमान दंडनीय अपराध माना जाएगा।

वर्तमान में राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971 के तहत राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगा), भारतीय संविधान और राष्ट्रगान जन गण मन के अपमान पर कार्रवाई का प्रावधान है। इस कानून के उल्लंघन पर अधिकतम तीन वर्ष की कैद, जुर्माना या दोनों का प्रावधान है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने टीकमगढ़ रोड शो में जनता का अभिवादन किया।

जो एक शादी करेगा उसे ही MP में रहने का अधिकार, सीएम मोहन यादव ने की घोषणा- ट्रिपल तलाक कहने वालों को जेल

कटनी(आरएनएस)। मध्य प्रदेश में UCC विधेयक मानसून सत्र में पेश होगा। सीएम मोहन यादव ने कटनी में इसकी घोषणा कर दी है। सीएम ने कहा कि मध्य प्रदेश में कानूनी रूप से उसी आदमी को रहने का अधिकार होगा जो एक शादी करेगा। इसके साथ ही सीएम ने कहा कि तीन बार तलाक बोलने वालों को जेल भेजा जाएगा। क्योंकि ट्रिपल तलाक का दौर खत्म हो गया है।सीएम मोहन यादव ने कहा- हिंदुओं और मुसलमानों के लिए अलग-अलग कानून क्यों होने चाहिए? सबके लिए एक ही कानून होना चाहिए। अगर राम एक बार शादी करते हैं, तो रहीम दो या चार बार शादी क्यों करें? मुस्लिम बहनें भी हमारी बहनें हैं। प्रस्तावित यूनिफॉर्म सिविल कोड (UCC) के तहत, मध्य प्रदेश में रहने का कानूनी अधिकार सिर्फ उसी व्यक्ति को होगा जिसने एक शादी की हो। सबके लिए एक ही व्यवस्था होनी चाहिए। अलग-अलग कानून क्यों हों?

ट्रिपल तलाक का दौर खत्म

सीएम ने कहा- अगर कोई तलाक, तलाक, तलाक कहता है, तो उसे जेल भेजा जाएगा। ट्रिपल तलाक का दौर खत्म हो गया है। कानूनी तौर पर सिर्फ एक ही शादी को मान्यता दी जाएगी। हम सरकार के जरिए मध्य प्रदेश में यह कानून ला रहे हैं क्योंकि नागरिकों के बीच कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए।

संसद के मानसून-सत्र में 7 विधेयकों पर होगी चर्चा, परिसीमन और महिला आरक्षण का जिक्र नहीं

नईदिल्ल(आरएनएस)। संसद का मानसून सत्र सोमवार 20 जुलाई से शुरू हो रहा है, जिसको लेकर केंद्र सरकार ने तैयारी शुरू कर दी है। परिसीमन और महिला आरक्षण विधेयक की सुगबुगाहट के बीच केंद्र ने जो विधायी एजेंडा जारी किया है, उसमें 7 विधेयकों को विचार के लिए शामिल किया गया है। एजेंडे में महिला आरक्षण, परिसीमन से संबंधित बहुचर्चित संविधान संशोधन विधेयक, प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री को पद से हटाने का प्रस्ताव करने वाला 130वां संवैधानिक संशोधन विधेयक इसमें शामिल नहीं है। इस बार का मानसून सत्र कुल 19 दिन चलेगा और 7 अगस्त को समाप्त होगा। हालांकि, इसके आगे बढ़ने की भी संभावना जताई जा रही है।बताया जार हा है कि संयुक्त समिति शुक्रवार को 130वें संशोधन विधेयक पर चर्चा करेगी और अंतिम रिपोर्ट को अपनाएगी, जिसे बाद में सत्र के दौरान संसद में प्रस्तुत किया जा सकता है।विधायी एजेंडा अभी अधूरा बताया जा रहा है। सरकार के पास सत्र बढ़ाने और अन्य विधेयक पेश करने की छूट है। ससद में 7 निर्धारित विधेयक पेश किए जाएंगे, जिसमें विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक मार्च में लोकसभा में पेश किया जा चुका है और विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक, 2025 संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास है।

सिक्किम में पिछले 10 दिनों से भारी भूस्खलन: 65 परिवार हुए बेघर, बॉर्डर कनेक्टिविटी को खतरा

गंगटोक (सिक्किम)(आरएनएस)। भारत-चीन बॉर्डर के पास जवाहरलाल नेहरू रोड पर क्योंगनोसला गांव के नीचे सेवेंथ माइल पर पिछले 10 दिनों से भारी भूस्खलन के कारण 65 परिवार बेघर हो गए हैं. लैंडस्लाइड के कारण और सीमा संपर्क और सार्वजनिक सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हो गई हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, भूस्खलन ने बॉर्डर की ओर जाने वाली पुरानी सड़क को पूरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया है. यह रास्ता भारत के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है. इसके किनारे कई भारतीय सेना का कैंप हैं. लोगों को डर है कि अगर दूसरा रास्ता भी प्रभावित होता है तो यह नुकसान सीमा सुरक्षा के नजरिए से एक बड़ी चुनौती बन सकता है.भूस्खलन से बेघर हुए परिवार फिलहाल अस्थायी राहत शिविर में शरण लिए हुए हैं, जबकि लैंडस्लाइड अभी भी हो रहा है।

सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल का 20वां दिन, डॉक्टरों ने अंग फेल होने की चेतावनी दी

9 किलोग्राम कम हुआ वजन

नईदिल्ली, (आरएनएस)। सामाजिक कार्यकर्ता और पर्याणवरणविद सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल का आज 20वां दिन है। वे नीट समेत कई पेपर लीक को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर धरने पर हैं। इस बीच डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि लंबे समय से भूखे रहने के कारण उनकी स्थिति गंभीर हो गई है और अंगों को नुकसान पहुंचने का खतरा है। हालांकि, वांगचुक ने कहा कि वह किसी भी कीमत पर 20 जुलाई तक जिंदा रहेंगे। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके ने कहा, मैं कहना नहीं चाहता, लेकिन वांगचुक मृत्युशय्या पर हैं। वे इतने कमजोर हो गए हैं कि हड्डियां दिखाई देने लगी हैं। गुरुवार को वे 2 बार गिरने से बचे।वहीं, वांगचुक के साथ भूख हड़ताल पर बैठे एआईएसए कार्यकर्ता नेहा, मनीष और आमीन की हालत भी गंभीर है। आमीन को पानी की कमी हो गई है। नेहा का ब्लड शुगर और मनीष का वजन कम हो गया है। वांगचुक ने कहा कि वह बाहर से कमजोर हैं, लेकिन अंदर से मजबूत हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का तीन देशों का राजकीय दौरा, पूर्वी यूरोप से रिश्ते मजबूत करने की पहल

नई दिल्ली (आरएनएस)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 19 से 25 जुलाई तक मोल्दोवा, उत्तरी मैसेडोनिया और रोमानिया का राजकीय दौरा करेंगी. विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. यह तीन दशकों से ज्यादा समय में किसी भारतीय राष्ट्रपति का रोमानिया का पहला दौरा है।

विदेश मंत्रालय की आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, राष्ट्रपति मुर्मू 20 जुलाई को राष्ट्रपति माइया संडू के निमंत्रण पर मोल्दोवा जाएंगी. वह इस देश का दौरा करने वाली पहली भारतीय राष्ट्रपति होंगी.राष्ट्रपति मुर्मू राष्ट्रपति संडू के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत करेंगी. अपने दौरे के क्रम में राष्ट्रपति मुर्मू मोल्दोवा की संसद के अध्यक्ष इगोर ग्रोसु से मुलाकात करेंगी और मोल्दोवा-भारत संसदीय मैत्री समूह के सदस्यों से बातचीत करेंगी. इसके साथ ही एक बिजनेस फोरम को संबोधित करेंगी और भारतीय समुदाय से जुड़ेंगी.विदेश मंत्रालय ने कहा कि, यह किसी भारतीय राष्ट्रपति का मोल्दोवा का पहला दौरा है. इसमें आगे कहा गया कि यह दौरा एक अहम और ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा और आपसी रिश्तों को एक बड़ी साझेदारी तक ले जाएगा. मंत्रालय ने बताया कि भारत और मोल्दोवा के बीच अच्छे और दोस्ताना रिश्ते हैं ।

सुप्रीम कोर्ट ने जीबीए के अंदर पांच नगर निगमों के चुनाव दिसंबर के आखिर तक बढ़ाने पर सहमति जताई

नई दिल्ली, (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कर्नाटक में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के पृष्ठभूमि में, जीबीए (ग्रेटर बेंगलुरु अथॉरिटी) के अंदर पांच नगर निगमों के लिए दिसंबर के आखिर तक चुनाव कराने के लिए समय देने पर सहमति जताई.शुरू में, सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को 30 जून, 2026 तक चुनाव पूरे करने का निर्देश दिया था, और बाद में समय बढ़ाने की अर्जी आने के बाद डेडलाइन 31 अगस्त, 2026 तक बढ़ा दी थी. शुक्रवार को यह मामला चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ के सामने सुनवाई के लिए आया, जिसमें जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना शामिल थे।

बाथरूम में मिले 40 हजार रुपये से खुला राम मंदिर दान चोरी का राज, 80 लाख नकद बरामद, 8 आरोपी गिरफ्तार

अयोध्या, (आरएनएस)। अयोध्या स्थित राम मंदिर में श्रद्धालुओं के दान में कथित गबन का सनसनीखेज मामला बाथरूम में छिपाकर रखे गए 40 हजार रुपये मिलने से उजागर हुआ। मंदिर के एक सुरक्षा गार्ड को परिसर के शौचालय में संदिग्ध परिस्थितियों में नगदी मिली, जिसके बाद उसने इसकी सूचना मंदिर प्रबंधन को दी। इसी सूचना के आधार पर शुरू हुई जांच ने एक सुनियोजित दान चोरी गिरोह का पर्दाफाश कर दिया।मंदिर प्रबंधन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए दान गिनती केंद्र की सीसीटीवी फुटेज की जांच कराई। लगभग 40 दिनों की रिकॉर्डिंग खंगालने पर सामने आया कि दान की गिनती में लगे कुछ कर्मचारी व्यवस्थित तरीके से नोटों की चोरी कर रहे थे। जांच में पता चला कि कर्मचारियों ने कम से कम 70 बार दान की राशि में कथित रूप से सेंध लगाई।जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी दान की गिनती करते समय नोटों को जूतों, कपड़ों या अन्य स्थानों पर छिपा लेते थे। पकड़े जाने से बचने के लिए गिरोह का एक सदस्य कैमरे के सामने खड़ा होकर दृश्य को बाधित करता था, जबकि दूसरा कर्मचारी नकदी छिपाने का काम करता था।

पुलिस के अनुसार, चोरी की गई रकम को पहले मंदिर परिसर के शौचालयों में छिपाकर रखा जाता था।

रात्रि विश्राम के पश्चात मंदिर में लौटे भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और बड़े भाई बलदाऊ का भव्य स्वागत

मंदिर में चार दिवसीय उत्साह में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, देर रात्रि तक चले भजन-कीर्तन

सीहोर (निप्र)। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी शहर के छावनी स्थित प्राचीन जगदीश मंदिर से पुरी की तर्ज पर भव्य रथ यात्रा निकाली गई थी, वहीं शुक्रवार की दोपहर को रात्रि विश्राम के पश्चात लौटने पर भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और बड़े भाई बलदाऊ का भव्य स्वागत किया गया। इस मौके पर परमार समाज की ओर से पूर्व अध्यक्ष तुलसीराम पटेल, चल समारोह अध्यक्ष भंवर लाल परमार, सुरेश परमार गब्बर, शिव परमार, जेपी परमार, विष्णु परमार रोलूखेड़ी, हरीश परमार, देव नारायण परमार, मुकेश परमार, महेन्द्र पटेल, प्रहलाद पटेल, भेरू सिंह परमार, शेर सिंह परमार प्रेम सिंह परमार, मांगीलाल, लखन परमार, विक्रम परमार, अवधेश परमार, अनार सिंह, भगीरथ परमार कमल पटेल, भगवान सिंह परमार, दशरथ सिंह परमार, मनोहर परमार, लक्ष्मी नारायण, रुप सिंह आदि मौजूद थे। शुक्रवार को दोपहर जब समाजजन भगवान को लेने पहुंचे थे। यहां पर आस्था और उत्साह के साथ पूजा अर्चना की गई। इस मौके पर 108 संत पंडित दुर्गाप्रसाद कटारे, जिला संस्कार मंच के प्रभारी मनोज दीक्षित मामा, मंदिर के पुजारी रघुनंदन व्यास, रोहित व्यास जिन्होंने पूर्ण विधि-विधान से पूजा अर्चना कर मंदिर में भगवान को विराजमान किया। शुक्रवार की दोपहर में शहर के छावनी स्थित स्वर्णकार समाज के स्थित मंदिर से भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और बड़े भाई बलदाऊ का विशेष श्रृंगार आदि करने के पश्चात श्रद्धालुओं के द्वारा लाया गया था। इस मौके पर यहां पर मौजूद पंडितों के द्वारा भगवान की पूजा अर्चना की गई। कार्यक्रम के दौरान स्वर्णकार समाज के सतीश सोनी, जितेन्द्र सोनी, पंडित कुणाल व्यास आदि ने यहां पर श्रद्धालुओं का स्वागत किया। इस संबंध में जानकारी देते हुए समाज की ओर से तुलसीराम पटेल, सुरेश गब्बर परमार, शिव परमार मुरली, विष्णु परमार रोलूखेड़ी, जेपी परमार, देवनारायण परमार और हरीश परमार ने बताया कि मंदिर परिसर में भगवान को दर्शन के लिए रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रतिवर्ष आषाण शुल्क पर आस्था और उत्साह के साथ भगवान जगदीश की रथ यात्रा निकाली जाती है। मंदिर में चार दिवसीय उत्साह रहता है। इसके बाद भगवान की चलित प्रतिमा को छावनी के स्वर्णकार मंदिर में विश्राम के लिए इस बार ले गए थे। मंदिर में भजन कीर्तन और प्रसादी का वितरण किया जाता है। इसके उपरांत यहां पर दूसरे दिन आस्था के साथ मंदिर परिसर में भगवान को विराजमान किया जाता है। श्रद्धालु द्वारा दर्शन किए जाते है। भगवान जगदीश स्वामी की रथ यात्रा 1961 में मंदिर के जीर्णोद्धार के साथ शुरु की थी। रथ यात्रा का सामाजिक संगठनों द्वारा जगह-जगह स्वागत किया जाएगा। परमार समाज के राज गुरु 232 मंदिरों के जीर्णोद्धार व अखिल भारतीय धर्म संघ के अध्यक्ष ब्रह्मलीन श्री 1008 पंडित काशीप्रसाद कटारे की प्रेरणा से इस मंदिर का जीर्णोद्धार सन 1961 में परमार समाज ने किया था, वर्तमान में 66 वीं रथ यात्रा थी जो सभी श्रद्धालुओं के द्वारा सफल रही।रथ यात्रा शहर के छावनी स्थित मंदिर से निकाली गई थी, इसके पश्चात शुक्रवार को भगवान को मंदिर में विराजमान किया गया है। इस मौके पर विशेष पोषक पहनाई गई है, यहां पर आकर श्रद्धालु दर्शन कर सकते है। परमार समाज के प्रांतीय अध्यक्ष सुरज सिंह, चंदर सिंह मंडलोई, मांगीलाल परमार ने सभी सहयोग करने वाले समाजनों के अलावा चल समारोह का स्वागत करने वाले सभी जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों के अलावा जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया है।

स्लीमनाबाद टनल कटनी, रीवा, सतना, मैहर और पन्ना जिलों के लिए बनेगी अमृतधारा : मुख्यमंत्री डॉ यादव

इन पांच जिलों के कुल ढाई लाख हेक्टेयर सिंचाई का रकबा बढ़ेगा

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विंध्य क्षेत्र हर प्रकार के संसाधनों से समृद्ध है , लेकिन कुछ स्थानों पर पानी की कमी की चुनौती सामने आती है। स्लीमनाबाद टनल कटनी, रीवा, सतना, मैहर और पन्ना जिलों के लिए अमृतधारा बनेगी। भगवान श्रीराम के आशीर्वाद से चित्रकूट क्षेत्र और विंध्य की वैली के इन पांच जिलों के कुल ढाई लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई का रकबा बढ़ेगा। लोगों के लिए पेयजल की समस्या का समाधान होगा। कई स्थानों पर इसमें बिजली भी बनाई जाएगी। यह परियोजना राज्य में सिंचाई का रकबा बढ़ाने के संकल्प की पूर्ति में निर्णायक भूमिका निभाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों की ओर से टनल परियोजना के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि परियोजना के लिए 1600 करोड़ रुपए की राशि में केंद्र सरकार ने लगभग 275 करोड़ की राशि प्रदान की। राज्य सरकार की प्रतिबद्धता के बलबूते आज यह चुनौतीपूर्ण टनल परियोजना पूरी होने की ओर बढ़ रही है। किसानों और क्षेत्र के व्यापारियों के लिए यह टनल एक वरदान की तरह है। लगभग 12 किलोमीटर लंबी यह परियोजना भविष्य में इंजीनियरिंग के क्षेत्र में केस स्टडी सिद्ध होगी। भीषण भूकंप आने पर भी टनल 100 साल तक सुरक्षित रहेगी। कई स्थानों पर टनल

की गहराई जमीन से नीचे 120 फीट तक भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्लीमनाबाद टनल के अवलोकन के बाद मीडिया से चर्चा में यह जानकारी दी।

मां नर्मदा, गंगा बेसिन में भी हरियाली लाएंगी

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि नर्मदा नदी तो खंभात की खाड़ी में जाकर मिलती है, लेकिन यह विज्ञान का चत्मकार ही है कि अब मां नर्मदा इस ऐतिहासिक टनल के माध्यम से गंगा बेसिन में सोन नदी के आसपास के अंचल में भी हरियाली लाएगी। एक समय ऐसा भी आया जब लगा कि टनल तैयार होना असंभव जैसा है। लेकिन जब संकल्प बड़ा होता है और पवित्र मन से कार्य किया जाए तो सफलता निश्चित रूप से मिलती है। बार-बार कठिन चट्टानों की चुनौतियां आने के बावजूद नर्मदा टनल को पूरा करने के संकल्प के साथ पूरी टीम काम करती रही। राज्य में एक समय पर सिंचाई का रकबा केवल साढ़े 7 लाख हेक्टेयर था। हमारी सरकारों में यह रकबा बढ़ाकर 44 लाख हेक्टेयर हुआ, जो पिछले ढाई साल में बढ़ाकर 65 लाख हेक्टेयर हो गया है। किसान कल्याण वर्ष में नर्मदा टनल परियोजना किसानों के लिए बड़ी सौगात है। आगामी तीन माह में रबी की फसल के लिए किसानों को एक लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हो जाएगा।

जमीन न बेचें किसान : बघेलखंड-बुंदेलखण्ड क्षेत्र भविष्य में पंजाब हरियाणा को पीछे छोड़ेगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सोन कछार का 152 क्यूबिक डिस्चार्ज से सतना जिले में 1 लाख 4 हजार 970 हेक्टेयर, मैहर जिले में 54 हजार 227 हेक्टेयर, कटनी जिले में 21 हजार 823 हेक्टेयर, रीवा जिले में 3 हजार 532 हेक्टेयर और पन्ना जिले में 448 हेक्टेयर सहित कुल 1 लाख 85 हजार हेक्टेयर कमांड एरिया में सिंचाई की सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही नहरों के निर्माण का कार्य तेजी से हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि टनल परियोजना में एक ओर जहां टनल के माध्यम से नर्मदा नदी बहेगी तो दूसरी ओर ऊपर से कटनी नदी प्रवाहित होगी। यह टनल परियोजना बुंदेलखंड और बघेलखंड के लिए बड़ी सौगात है, जो जनता की अपेक्षाओं की पूर्ति करेगी। चुनौतिपूर्ण परिस्थितियों में सिंचाई विभाग ने सराहनीय कार्य किया है।

प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे युवक ने की आत्महत्या

भोपाल (ए.)। अशोका गार्डन क्षेत्र में किराए के मकान में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे एक युवक ने आत्महत्या कर ली। घटना से पहले उसने अपने पिता के मोबाइल पर व्हाट्सएप के माध्यम से एक संदेश भेजा। इसके बाद उसने खुद को गंभीर रूप से घायल किया और फांसी लगाकर जीवन समाप्त कर लिया। पुलिस के अनुसार मृतक 35 वर्षीय सच्ची स्मिथ दास मूल रूप से ओडिशा का निवासी था और भोपाल के सुंदर नगर इलाके में अकेले रह रहा था। परिजनों को संदेश मिलने के बाद उसके एक परिचित को कमरे पर भेजा गया, जहां युवक मृत अवस्था में मिला। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है तथा आत्महत्या के कारणों की पड़ताल की जा रही है।

विधायक भगवानदास सबनानी प्राचीन मंदिर जीर्णोद्धार एवं प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में सम्मिलित हुए

भोपाल (संदीप पंडा)। विधायक भगवानदास सबनानी ने पाल समाज प्राचीन श्री कृष्ण गोवर्धन मंदिर समिति, भोपाल (म.प्र.) द्वारा आयोजित प्राचीन मंदिर जीर्णोद्धार एवं प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में सम्मिलित होकर भगवान श्रीकृष्ण एवं पूज्य लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर जी को नमन किया। उन्होंने कहा कि आयोजन हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता का प्रेरणादायी प्रतीक है। प्रभु श्रीकृष्ण की कृपा से समाज में सुख, शांति, समृद्धि एवं सद्भाव का संचार होता रहे, यही मंगलकामना है।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के क्रियान्वयन के लिए हुई जन-प्रतिनिधियों की क्षमता-वर्धन कार्यशाला

-इन्दौर एवं सागर में प्रशिक्षण में 105 नगरीय निकायों के 240 से अधिक जन-प्रतिनिधि हुए शामिल

-पर्यावरण-अनुकूल स्वच्छ, स्वस्थ एवं सुंदर शहरों के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

भोपाल (ए.)। प्रदेश के नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग द्वारा राज्य के नगरीय निकायों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 और सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के परिपालन में एक दिवसीय क्षमता-वर्धन प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इन्दौर एवं सागर संभाग के नगरीय निकायों के जन-प्रतिनिधियों के व्यावहारिक एवं प्रशासनिक कौशल को विस्तार देने के लिए कार्यशालाएं इन्दौर और सागर में आयोजित की गईं।

स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के दिशा-निर्देशों के अंतर्गत आयोजित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम राज्य स्तर से इम्पैनल्ड स्वच्छता नॉलेज पार्टनर्स एआईआईएलएसजी, भोपाल द्वारा होटल दीपाली, सागर में और फीडबैक फाउंडेशन द्वारा सोलारिस होटल एण्ड क्लब, इन्दौर में कुशलतापूर्वक संपन्न कराया गया। कार्यशाला में उपस्थित जन-प्रतिनिधियों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के प्रमुख विधिक प्रावधानों, स्वच्छता प्रबंधन की अत्याधुनिक नवीन व्यवस्थाओं और नगरीय निकायों की भूमिका एवं उत्तरदायित्वों के विषय में विस्तारपूर्वक एवं प्रामाणिक जानकारी प्रदान की गई। सत्रों में स्त्रोत स्तर पर अपशिष्ट के पृथक्करण, डोर-टू-डोर अपशिष्ट संग्रहण, वैज्ञानिक रीति से प्रसंस्करण एवं सुरक्षित निपटान, सिंगल यूज प्लास्टिक के पूर्ण उन्मूलन, सार्वजनिक सहभागिता और व्यवहार परिवर्तन संचार (BCC) जैसी अत्यंत महत्वपूर्ण गतिविधियों पर विशेष जोर दिया गया। स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के आदर्शों के अनुरूप स्वच्छ, स्वस्थ और पर्यावरण-अनुकूल शहरों के निर्माण में जन-प्रतिनिधियों की पथ-प्रदर्शक भूमिका पर भी गहन विमर्श किया गया। कार्यक्रम में विषय-विशेषज्ञों द्वारा प्रशासनिक, तकनीकी एवं सामुदायिक आयामों को साझा किया गया और स्थानीय स्तर की चुनौतियों व उनके व्यावहारिक समाधानों पर सार्थक संवाद किया। स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) अंतर्गत उक्त क्षमता-वर्धन कार्यक्रम, जन-प्रतिनिधियों को स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन से संबद्ध महत्वाकांक्षी योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन में पूर्णतः सक्षम बनाएंगे। साथ ही यह अभिनव प्रयास प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों को स्वच्छ, सुसज्जित तथा पर्यावरणीय दृष्टिकोण से दीर्घकालिक रूप से संवहनीय बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कार्यशाला में इन्दौर नगर निगम महापौर पुष्यमित्र भार्गव, बुरहानपुर नगर निगम महापौर श्रीमती माधुरी अतुल पटेल, सागर नगर निगम महापौर श्रीमती संगीता तिवारी, एमआईसी मेम्बर श्रीमती कंचन जाडिया, श्रीमती संगीता जैन, राजकुमार पटेल एवं संभागीय संयुक्त संचालक आर.पी. नायक और इन्दौर व सागर संभागों के अंतर्गत आने वाले 105 नगरीय निकायों के 240 से अधिक अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सभापतिगणों ने सहभागिता की।

रविंद्र भवन के पास टीनशेड में की शिफ्ट; सामने राजभवन और सरकारी दफ्तर

भोपाल में शराब दुकान की शिफ्टिंग का विरोध

भोपाल, (निप्र.)। भोपाल के प्रोफेसर कॉलोनी की शराब दुकान की शिफ्टिंग को लेकर फिर से विरोध शुरू हो गया है। ये दुकान शुक्रवार सुबह ही रविंद्र भवन के पास नाले किनारे शिफ्ट की गई थी। इसके ठीक सामने लोकभवन (गर्वनर हाउस), रविंद्र भवन समेत कई सरकारी दफ्तर है। इसके विरोध में आम लोग और कांग्रेसी मैदान में उतर गए।बता दें कि पॉलीटेक्निक चौराहे के पास प्रोफेसर कॉलोनी में शराब दुकान थी। इसे लेकर बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन हो चुके हैं। इसके चलते शुक्रवार को यह दुकान करीब 300 मीटर दूर रविंद्र भवन के पास नाले किनारे शिफ्ट कर दी गई।इस नाले के ऊपर सीमेंट क्रांकीट का स्लैब बनाया गया था। यहीं पर शराब की टीनशेड नुमा दुकान रख दी गई और शराब बेची भी जा रही

थी।दुकान शिफ्ट होने की भनक लगते ही रहवासी और कांग्रेसी विरोध में उतर आए। नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी और वार्ड-24 के कांग्रेस अध्यक्ष शोएब खान मौके पर पहुंचे। उन्होंने दुकान शिफ्ट किए जाने का विरोध जताते हुए कहा कि दुकान के ठीक सामने राजभवन की दीवार है। पास ही मुख्य सड़क है, जहां से मुख्यमंत्री, मंत्री समेत कई वीआईपी गुजरते हैं। आसपास रविंद्र भवन, संस्कृति परिषद, जनसंपर्क संचालनालय और रोशनपुरा बस्ती भी है। ऐसे में यहां दुकान संचालित होने से कई तरह की दिक्कतें खड़ी हो सकती हैं।दुकान के सामने धरने पर बैठीं महिलाओं ने कहा कि वे घरेलू कामकाज के लिए प्रोफेसर कॉलोनी आती-जाती हैं। कलारी खुलने से क्षेत्र में आपराधिक घटनाएं बढ़ने की आशंका है। लोगों के विरोध के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची और लोगों को समझाइश देने का प्रयास किया। हालांकि, लोग नहीं माने। इधर, विरोध के बाद ठेकेदार ने कलारी बंद कर दी।

भोपाल के 16 ब्लैक स्पॉट होंगे सुरक्षित, नगर निगम करेगा सुधार कार्य

भोपाल (ए.)। शहर में लगातार बिगड़ती यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। पुलिस कमिश्नर कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान सांसद आलोक शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से सभी कार्य पूरे करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि लापरवाही या अधूरे कार्य किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएंगे और अगली समीक्षा में प्रगति के आधार पर जवाबदेही तय होगी। शहर की सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए नगर निगम लगभग 40 करोड़ रुपये की लागत से 16 ब्लैक स्पॉट तथा 37 लेफ्ट टर्न का सुधार करेगा। इससे पहले भी लोक निर्माण विभाग को इन स्थानों के सुधार के लिए करीब आठ करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध कराई गई थी, लेकिन कई स्थानों पर अपेक्षित स्तर पर काम पूरा नहीं हो सका।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में 19 जुलाई को जगदीशपुर में होगी कैबिनेट की बैठक

भोपाल, (आरएनएस.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में 19 जुलाई, रविवार को जगदीशपुर में होने वाली कैबिनेट बैठक की व्यवस्थाओं के संबंध में शुक्रवार को कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने बैठक के सफल एवं सुचारू संपादन के लिए आयोजन स्थल पर चल रही विभिन्न व्यवस्थाओं की प्रगति की समीक्षा की तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सीईओ स्मार्ट सिटी श्रीमती अंजू अरुण कुमार, एडीएम महेंद्र कवचे, प्रकाश नायक, पुलिस अधीक्षक देहात पंकज पांडे सहित विभिन्न संबंधित विभागों के जिला एवं संभाग स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

मानसून सत्र सोमवार से, जनहित के मुद्दों पर सरकार-विपक्ष आमने-सामने

भोपाल (ए.)। मध्य प्रदेश विधानसभा का चार दिवसीय मानसून सत्र सोमवार से प्रारंभ होगा। सत्र को लेकर विधानसभा सचिवालय की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। हालांकि अब तक अपेक्षाकृत कम विधेयक ही सदन में प्रस्तुत किए जाने के लिए तैयार हुए हैं। सरकार की ओर से कुछ महत्वपूर्ण संशोधन विधेयकों को मंजूरी मिलने के बाद उन्हें सदन में रखा जाएगा।

सत्र के लिए विधानसभा सचिवालय को अब तक 223 ध्यानाकर्षण सूचनाएं, चार स्थगन प्रस्ताव तथा 1756 प्रश्न प्राप्त हुए हैं। विपक्ष ने कानून-व्यवस्था, महंगाई, भ्रष्टाचार, बिजली, पेयजल, बेरोजगारी और विकास कार्यों से जुड़े मुद्दों पर सरकार को घेरने की रणनीति बनाई है।

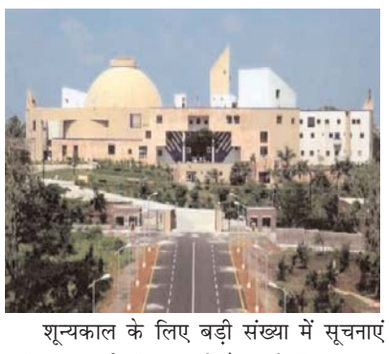

शून्यकाल के लिए बड़ी संख्या में सूचनाएं सचिवालय को मिल चुकी हैं। वहीं नियम-139 के अंतर्गत भी अनेक प्रस्ताव दर्ज किए गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि सत्र शुरू होने से पहले इनकी संख्या में और बढ़ोतरी हो सकती है।

सरकार इस सत्र में मध्यप्रदेश माल एवं सेवा कर (संशोधन) विधेयक-2026, मध्यप्रदेश उपकर (संशोधन) विधेयक-2026 तथा मध्यप्रदेश वैट (संशोधन) विधेयक-2026 सहित कुछ अन्य विधेयकों को सदन में पेश करने की तैयारी में है। संबंधित प्रस्तावों को अंतिम मंजूरी मिलने के बाद विधानसभा की कार्यवाही में शामिल किया जाएगा।

चार दिवसीय इस सत्र में सत्ता पक्ष अपनी उपलब्धियां गिनाएगा, जबकि विपक्ष जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों को जोरदार तरीके से उठाने की तैयारी कर रहा है। ऐसे में सदन की कार्यवाही के दौरान तीखी बहस और राजनीतिक टकराव देखने को मिल सकता है।

बालिका तस्करी मामले में पुलिस की कार्रवाई तेज, गिरोह के अन्य आरोपियों की तलाश जारी

भोपाल (ए.)। हनुमानगंज थाना पुलिस ने नाबालिग बालिकाओं की तस्करी से जुड़े मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। पुलिस अब इस गिरोह से जुड़े अन्य संदिग्धों की पहचान कर उनकी तलाश में जुटी हुई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, जनवरी 2025 में एक महिला ने अपनी नाबालिग बेटी के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में विशेष जांच टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का गहन विश्लेषण किया और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कई मोबाइल नंबरों की जांच की। जांच के दौरान पुलिस ने नाबालिग बालिका को सुरक्षित बरामद कर लिया। पूछताछ और एकत्रित साक्ष्यों से यह संकेत मिले कि आरोपियों द्वारा बालिकाओं को झांसा देकर मानव तस्करी के उद्देश्य से विभिन्न स्थानों पर ले जाया जाता था। पुलिस का कहना है कि इस मामले में पहले भी कुछ आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि गिरोह के शेष सदस्यों की तलाश और नेटवर्क की पड़ताल लगातार जारी है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित साँची, विदिशा, अशोकनगर एवं शिवपुरी रेलवे स्टेशनों का भव्य लोकार्पण सम्पन्न

भोपाल (निप्र)। पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल के अंतर्गत अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित साँची, विदिशा, अशोकनगर एवं शिवपुरी रेलवे स्टेशनों का लोकार्पण शुक्रवार, 17 जुलाई 2026 को माननीय प्रधानमंत्री द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस लोकार्पण कार्यक्रम में वीडियो कांफ्रेंसिंग से रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव एवं रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह जुड़े रहे। साथ ही इस अवसर पर चारों स्टेशनों पर आयोजित समारोहों में जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, विद्यार्थियों, यात्रियों एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही कार्यक्रम में साँची स्टेशन पर श्री मंगु भाई पटेल माननीय राज्यपाल, मध्यप्रदेश शासन, श्रीमती सावित्री ठाकुर माननीया केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री, डॉ प्रभुराम चौधरी माननीय विधायक साँची, सुरेन्द्र पटवा विधायक भोजपुर जिला रायसेन सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। रेलवे प्रशासन की ओर से पश्चिम मध्य रेलवे महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह, डीआरएम पंकज त्यागी, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया एवं अन्य अधिकारियों ने समारोह में सहभागिता की। इसी प्रकार विदिशा में रजनीश अग्रवाल सांसद राज्यसभा, मुकेश टंडन विधायक विदिशा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। अशोकनगर में ज्योतिरादित्य सिंधिया केन्द्रीय संचार एवं उतर-पूर्वी विकास मंत्री भारत सरकार, जगन्नाथ सिंह रघुवंशी विधायक चंदेरी एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। शिवपुरी में देवेन्द्र कुमार जैन विधायक शिवपुरी एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। समारोह का शुभारंभ सांस्कृतिक कार्यक्रमों से हुआ, जिनमें स्थानीय कलाकारों एवं विद्यार्थियों ने आकर्षक प्रस्तुतियाँ देकर क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का परिचय कराया। कार्यक्रम के दौरान अमृत भारत स्टेशन योजना पर आधारित लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित भी किया गया। इसके पश्चात माननीय प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देशभर के 75 पुनर्विकसित अमृत भारत स्टेशनों के साथ भोपाल मंडल के साँची, विदिशा,

अशोकनगर एवं शिवपुरी रेलवे स्टेशनों का भी राष्ट्र को समर्पित किया। प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटित 75 अमृत भारत स्टेशन देश के 20 राज्यों में लगभग 1,570 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किए गए हैं। विरासत भी, विकास भी की अवधारणा पर आधारित इन स्टेशनों के पुनर्विकास में स्थानीय संस्कृति, विरासत एवं वास्तुकला को आधुनिक यात्री सुविधाओं के साथ समाहित किया गया है। मध्यप्रदेश के कुल 13 तथा पश्चिम मध्य रेलवे के 6 स्टेशन इस चरण में शामिल हैं, जिनमें भोपाल मंडल के साँची, विदिशा, अशोकनगर एवं शिवपुरी प्रमुख स्टेशन हैं। इन चारों रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास स्थानीय संस्कृति एवं आधुनिक वास्तुशिल्प के समन्वय को केंद्र में रखकर किया गया है। नई अवधारणा के अनुरूप विकसित स्टेशन भवन अपनी विशिष्ट स्थापत्य शैली के कारण आकर्षण का केंद्र बन गए हैं तथा क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को प्रभावी रूप से प्रदर्शित करते हैं। पुनर्विकास के अंतर्गत स्टेशन भवनों को आधुनिक स्वरूप प्रदान करते हुए यात्री सुविधाओं का व्यापक विस्तार किया गया है। प्लेटफॉर्मों पर नए एवं विस्तृत शेड, आरामदायक बैठने की व्यवस्था तथा उच्च गुणवत्ता वाली प्लेटफॉर्म सतह विकसित की गई है। यात्रियों को त्वरित एवं सटीक जानकारी उपलब्ध कराने के लिए डिजिटल यात्री सूचना प्रणाली, कोच पोजिशन डिस्प्ले बोर्ड तथा अत्याधुनिक पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम जैसी स्मार्ट सुविधाएँ स्थापित की गई हैं। स्टेशन परिसरों के सर्कुलेटिंग एरिया का सुव्यवस्थित विकास एवं सौंदर्यीकरण किया गया है। पार्किंग व्यवस्था को अधिक सुविधाजनक एवं व्यवस्थित बनाया गया है। इसके अतिरिक्त आधुनिक शौचालय, उन्नत प्रतीक्षालय, शुद्ध पेयजल, बेहतर प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक यात्री सुविधाओं का विस्तार कर यात्रा अनुभव को अधिक सुरक्षित, सहज एवं आरामदायक बनाया गया है। सुगम एवं समावेशी रेल यात्रा की अवधारणा को साकार करते हुए इन स्टेशनों को पूर्णतः दिव्यांगजन अनुकूल विकसित किया गया है। इसके अंतर्गत रैंप, टैक्टाइल पाथ तथा सुगम आवागमन हेतु आवश्यक अवसंरचना विकसित की गई है। साथ ही ऊर्जा दक्ष एलईडी प्रकाश व्यवस्था स्थापित कर स्टेशन परिसर एवं प्लेटफॉर्मों को अधिक सुरक्षित, पर्यावरण-अनुकूल एवं ऊर्जा-कुशल बनाया गया है। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत आधुनिक यात्री सुविधाओं, सांस्कृतिक पहचान एवं विश्वस्तरीय अवसंरचना से सुसज्जित ये स्टेशन अब केवल रेलवे स्टेशन नहीं, बल्कि अपने-अपने क्षेत्रों के आधुनिक प्रवेश द्वार के रूप में स्थापित हुए हैं। ये स्टेशन यात्रियों एवं पर्यटकों को उत्कृष्ट सुविधाएँ उपलब्ध कराने के साथ-साथ क्षेत्रीय पर्यटन, व्यापार, स्थानीय अर्थव्यवस्था तथा समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास को नई गति प्रदान करेंगे। यह लोकार्पण समारोह पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल मंडल तथा मध्यप्रदेश के लिए एक ऐतिहासिक एवं गौरवपूर्ण उपलब्धि सिद्ध हुआ, जिसने भारतीय रेल के आधुनिक, सुरक्षित, सुगम एवं यात्री-केंद्रित विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ दिया।

कथावाचक और ढोलक वादक को अंतिम सांस तक जेल की सजा, 16 साल की नाबालिग से किया था सामूहिक दुष्कर्म

सागर (ए.)। सागर जिले के खुरई में तृतीय अपर जिला एवं सत्र न्यायालय ने एक बेहद संवेदनशील और गंभीर मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। कोर्ट ने नाबालिग किशोरी का अपहरण कर उसके साथ तीन महीने तक सामूहिक दुष्कर्म करने वाले पाखंडी कथावाचक और उसके साथी ढोलक वादक को जीवनकाल के अंतिम समय तक जेल में रहने की कठोर सजा सुनाई है। यह फैसला न्यायालय द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुनाया गया।

कथा के बहाने बुना था जाल: यह है पूरा मामला

यह सनसनीखेज मामला खुरई के मालथौन थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले एक गांव का है। लोक अभियोजक बलवीर सिंह ठाकुर ने घटनाक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि करीब डेढ़ साल पहले फरवरी 2025 में गांव में एक धार्मिक कथा का आयोजन किया गया था। कथा कराने के लिए उत्तर प्रदेश के झांसी से कथावाचक गोविंद दास उर्फ गोविंदा आया था, जबकि उसका साथी राधे (टीकमगढ़) कथा में ढोलक बजाने का काम करता था। कथा के दौरान ही दोनों आरोपियों ने कथा सुनने आई 16 वर्षीय नाबालिग किशोरी को अपनी बातों के जाल में फंसाना शुरू कर दिया। शातिर आरोपियों ने किशोरी की बहन को ढोलक वादक की सोशल मीडिया आईडी दी, जिसके जरिए वे किशोरी से संपर्क में रहने लगे।

घर से जेवर मंगाए, फिर ओरछा-ललितपुर में बनाकर रखा बंधक

13 फरवरी 2025 की रात दोनों आरोपी बाइक से किशोरी के घर के पास पहुंचे। उन्होंने किशोरी को फोन कर मां के जेवर साथ लेकर आने का लालच दिया। जब किशोरी दो जोड़ी पायल लेकर उनके पास पहुंची,

तो दोनों आरोपियों ने उसे जबरदस्ती बाइक पर बैठाया और ओरछा ले गए। आरोपियों ने किशोरी को पहले ओरछा के एक होटल में रखा। इसके बाद वे उसे ललितपुर (उ.प्र.) ले गए, जहां एक कमरा किराए पर लेकर किशोरी को दो महीने तक बंधक बनाकर रखा गया। इस दौरान शादी का झांसा देकर दोनों उसके साथ लगातार सामूहिक दुष्कर्म करते रहे।

पहचान छिपाने के लिए भरी थी मांग

ललितपुर के बाद आरोपी किशोरी को झांसी के पास भोजला गांव लेकर पहुंचे। वहां मकान मालिक को कोई शक न हो और कमरा आसानी से मिल सके, इसके लिए आरोपियों ने जबरन किशोरी की मांग भरवाकर उसे चूड़ियां पहना दी थीं। इसी बीच एक दिन मौका पाकर पीड़ित किशोरी ने चुपके से अपने पिता को फोन लगाया और अपनी आपबीती सुनाई। पिता की सूचना पर सक्रिय हुई मालथौन पुलिस ने तत्काल दबिश देकर किशोरी को आरोपियों के चंगुल से मुक्त कराया और दोनों को झांसी से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। दोनों आरोपी 3 जून 2025 से खुरई उपजेल में बंद हैं।

न्यायालय का कड़ा रुख

तृतीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश संध्या मनोज श्रीवास्तव की कोर्ट ने मामले को अत्यंत गंभीर मानते हुए साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर दोनों आरोपियों को दोषी करार दिया। भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 702(2) में दोनों दोषियों को आजीवन कारावास, जिसका अर्थ दोषी के शेष प्राकृतिक जीवनकाल के अंत तक जेल में रहना है। साथ ही 2-2 हजार रुपये का अर्थदंड। वहीं पॉक्सो एक्ट (धारा 5L/6): 20-20 साल का कठोर कारावास और 2-2 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। धारा 96: 7-7 साल का कठोर कारावास और 1-1 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है।

भोजशाला: 'चालीसा पीर परिसर' में अदा हो सकेगी जुमे की नमाज; मुस्लिम समाज के साथ बैठक में प्रशासन ने दी जानकारी

धार (ए.)। भोजशाला से सटे खुले स्थान पर इस शुक्रवार को जुमे की नमाज अदा नहीं की जा सकी। इसके पीछे दो बड़े कारण सामने आए हैं—पहला, सुप्रीम कोर्ट का विस्तृत आदेश देर से अपलोड होना और दूसरा, आदेश के तुरंत बाद नमाज के लिए उपयुक्त वैकल्पिक स्थान का चयन न हो पाना। इस स्थिति में मुस्लिम समाज के लोगों ने अपने-अपने मोहल्लों, कॉलोनियों और घरों पर ही जुमे की नमाज अदा की। इस बीच, प्रशासन ने मुस्तैदी दिखाते हुए मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक में शहर काजी वकार सादिक सहित समाज के अन्य वरिष्ठ जन मौजूद रहे। प्रशासन ने प्रतिनिधियों को सूचित किया है कि अब से हर शुक्रवार को दोपहर 1 से 3 बजे के बीच मालीवाड़ा स्थित %चालीसा पीर परिसर% में जुम्मे की नमाज अदा की जा सकेगी।

प्रशासन की हाई-लेवल बैठक

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने तीन दिन पहले मध्य प्रदेश सरकार को निर्देश दिए थे कि मुस्लिम समाज के लिए भोजशाला के पास किसी खाली वैकल्पिक स्थान पर जुमे की नमाज की व्यवस्था की जाए। शुक्रवार सुबह कोर्ट का विस्तृत आदेश हाथ में आते ही कलेक्टर राजीव रंजन मीणा और एसपी सचिन शर्मा की मौजूदगी में पुलिस व राजस्व विभाग के आला अधिकारियों की एक हाई-लेवल बैठक बुलाई गई।

बारिश का लंबा ब्रेक बना चिंता की वजह, खेतों से घट रही नमी; खरीफ फसलों पर बढ़ा संकट

खरगोन (ए.)। खरगोन जिले में मानसून की शुरुआत भले ही उम्मीदों के साथ हुई थी और शुरुआती बारिश से किसानों ने सोयाबीन, मक्का सहित अन्य खरीफ फसलों की बुवाई पूरी कर ली थी, लेकिन पिछले करीब

10 दिन से बारिश पूरी तरह थमी हुई है। लगातार चल रही तेज हवाओं के कारण खेतों की मिट्टी की नमी तेजी से कम हो रही है। इससे फसलों की बढ़वार पर असर पड़ने की आशंका बढ़ गई है और किसान अब अगली अच्छी बारिश का इंतजार कर रहे हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में किसान इन दिनों खेतों में खरपतवार नियंत्रण के कार्य में जुटे हैं। कई स्थानों पर खरपतवार तेजी से बढ़ने के कारण किसान रासायनिक खरपतवारनाशक दवाओं का उपयोग कर रहे हैं, जबकि कुछ किसान परंपरागत तरीके से निंदाई-गुड़ाई भी करवा रहे हैं। हालांकि दवाओं के बढ़ते उपयोग से खेतिहर मजदूरों को पहले की तुलना में कम काम मिल रहा है, जिससे ग्रामीण मजदूरी पर भी असर देखा जा रहा है।

किसान गिरधारी राठौड़, सौभाग गेहलोत, दीपक कुशवाह और विजय का कहना है कि यदि अगले कुछ दिनों में अच्छी बारिश नहीं हुई तो सोयाबीन, मक्का और अन्य खरीफ फसलों की बढ़वार प्रभावित हो सकती है। उनका कहना है कि लगातार चल रही हवा मिट्टी की नमी को तेजी से खत्म कर रही है, जिससे फसलों में तनाव दिखाई देने लगा है। किसानों का मानना है कि समय पर बारिश होना अब बेहद जरूरी हो गया है।

कृषि वैज्ञानिक डॉ. जीएस कुलमी ने किसानों को सलाह दी है कि यदि उनके क्षेत्र में 8 से 10 दिनों से बारिश नहीं हुई है तो खेत की ऊपरी पपड़ी को खुरपी, विल या कोलपा-डोरा चलाकर तोड़ दें। इससे मिट्टी की नमी लंबे समय तक सुरक्षित रहेगी और उसका वाष्पीकरण कम होगा। इसके अलावा 10 ग्राम पोटेशियम नाइट्रेट प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर फसलों पर छिड़काव करने की सलाह दी गई है। इससे पौधों को सूखे की स्थिति में राहत मिलती है और उनकी बढ़वार प्रभावित होने की संभावना कम रहती है। कृषि वैज्ञानिकों का कहना है कि ये उपाय अपनाकर सोयाबीन सहित अन्य खरीफ फसलों को 8 से 10 दिन तक सूखे की स्थिति से बचाया जा सकता है। किसानों को मौसम पूर्वानुमान पर नजर रखते हुए वैज्ञानिक सलाह के अनुसार फसल प्रबंधन करने की भी सलाह दी गई है।

भोजशाला विवाद : सुप्रीम कोर्ट में पांच अगस्त को होगी अंतिम सुनवाई, नमाज के वैकल्पिक स्थान पर देनी होगी जानकारी

इंदौर (ए.)। धार स्थित भोजशाला-सरस्वती मंदिर विवाद मामले में अब सुप्रीम कोर्ट पांच अगस्त को अंतिम सुनवाई करेगा। इस दौरान मध्य प्रदेश सरकार को यह भी बताना होगा कि मुस्लिम पक्ष के लिए जुमे की नमाज का कौन सा वैकल्पिक स्थान तय किया गया है। फिलहाल कोर्ट ने भोजशाला परिसर में नमाज की अनुमति नहीं दी है, जबकि हिंदू पक्ष की नियमित पूजा पहले की तरह जारी रखने का निर्देश दिया है।

14 जुलाई के आदेश में क्या कहा था सुप्रीम कोर्ट ने ?

सुप्रीम कोर्ट ने 14 जुलाई को जारी अपने आदेश में मध्य प्रदेश सरकार को निर्देश दिया था कि मुस्लिम पक्ष के लिए हर शुक्रवार जुमे की नमाज अदा करने हेतु दोपहर 1 बजे से 3 बजे के बीच भोजशाला के पास ही एक उपयुक्त वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराया जाए। अदालत ने स्पष्ट किया कि भोजशाला परिसर के भीतर नमाज की अनुमति नहीं दी जाएगी।

हिंदू पक्ष की पूजा पर कोई रोक नहीं

अदालत ने अपने आदेश में यह भी साफ किया कि भोजशाला परिसर में हिंदू पक्ष की पूजा-अर्चना पर किसी तरह की रोक नहीं रहेगी। सूर्योदय से सूर्यास्त तक मां वाग्देवी (सरस्वती) की नियमित पूजा पहले की तरह जारी रहेगी।

एएसआई को भी दिए गए निर्देश

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) न्यायालय की अनुमति के बिना भोजशाला-सरस्वती मंदिर के मूल ढांचे में किसी तरह का बदलाव नहीं करेगा। साथ ही अदालत ने सभी संबंधित पक्षों को नोटिस जारी करने का भी आदेश दिया।

धार प्रशासन वैकल्पिक स्थान की तलाश में

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद धार जिला प्रशासन मुस्लिम पक्ष की जुमे की नमाज के लिए उपयुक्त वैकल्पिक स्थान तलाशने में जुट गया है। अब 5 अगस्त को होने वाली अंतिम सुनवाई में प्रशासन को अदालत के सामने यह जानकारी रखनी होगी कि नमाज के लिए कौन सा स्थान तय किया गया है। साथ ही अदालत मामले से जुड़े अन्य पहलुओं पर भी अंतिम सुनवाई करेगी।

चार माह पहले उठी थी डोली, अब उठी अर्थी: नवविवाहिता अंकिता की संदिग्ध मौत, मायके पक्ष का प्रताड़ना का आरोप

छिंदवाड़ा (ए.)। शादी के महज चार महीने बाद एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। अमरवाड़ा के केकड़ा निवासी अंकिता पवार की बुधवार देर रात जहर के सेवन के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद अस्पताल में मायके पक्ष और ससुराल पक्ष के बीच तनावपूर्ण माहौल बन गया। परिजनों ने ससुराल वालों पर प्रताड़ना और हत्या का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है।

पुलिस के अनुसार अंकिता पवार का विवाह चार माह पहले सांवरी के पटनिया निवासी आकाश पवार के साथ सामाजिक रीति-रिवाजों के अनुसार हुआ था। बुधवार रात अंकिता द्वारा जहरीला पदार्थ सेवन किए जाने की सूचना मिलने पर उसे तत्काल एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां गुरुवार तड़के करीब साढ़े तीन बजे उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अस्पताल पहुंची और पंचनामा कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे

नवविवाहिता अंकिता की संदिग्ध मौत

की कार्रवाई की जाएगी।

मौत से पहले परिजनों को किया था फोन

मृतका के मायके पक्ष का आरोप है कि शादी के बाद से ही अंकिता को ससुराल में लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। परिजनों का कहना है कि बुधवार शाम अंकिता ने फोन कर घर में हुए विवाद की जानकारी दी थी। इसके कुछ समय बाद उन्हें सूचना मिली कि उसने जहरीला पदार्थ खा लिया है। जब तक परिजन अस्पताल पहुंचे, उसकी हालत गंभीर थी और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

अस्पताल में बढ़ा तनाव, पति मौके से हुआ फरार

अंकिता की मौत की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में मायके पक्ष के लोग अस्पताल पहुंच गए। परिजनों का आरोप है कि उनकी बेटी की मौत सामान्य नहीं है और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। अस्पताल परिसर में कुछ समय के लिए तनावपूर्ण स्थिति बन गई। इसी दौरान हंगामे की आशंका के बीच मृतका का पति मौके से चला गया।

पुलिस कर रही हर पहलू की जांच

पुलिस का कहना है कि मामले में मर्ग कायम कर लिया गया है और सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। मृतका के परिजनों के आरोप, पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस ने लोगों से संयम बनाए रखने की अपील की है।

पेपर लीक के बाद टॉप करना आसान नहीं था, योगाचार्य पिता और डॉक्टर मां की सलाह आई काम

इंदौर (ए.)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए ने गुरुवार देर रात नीट यूजी 2026 का परिणाम घोषित कर दिया है। इसमें इंदौर के आराध्य गर्ग सिटी टॉपर बने हैं। पेपर लीक के बाद दोबारा हुई परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करना आराध्य के लिए भी आसान नहीं था लेकिन योगाचार्य पिता और डॉक्टर मां की सलाह आराध्य को बहुत काम आई। मन को शांत रखने के लिए उन्होंने नियमित योग और मेडिटेशन किया और इससे वे दूसरी बार हुई इस परीक्षा में बेहतर नंबर ला पाए।

गौरतलब है कि इस साल आयोजित हुई परीक्षा में देशभर के लगभग 20 लाख छात्र-छात्राएं शामिल हुए थे। इनमें से 11.21 लाख परीक्षार्थियों ने देश के विभिन्न मेडिकल, डेंटल, आयुष और अन्य चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश पाने के लिए सफलतापूर्वक क्वालिफाई कर लिया है।

इंदौर के आराध्य गर्ग बने शहर के टॉपर

इस परीक्षा में मध्यप्रदेश के इंदौर शहर के रहने वाले आराध्य गर्ग ने बेहद शानदार प्रदर्शन किया है। आराध्य ने ऑल इंडिया स्तर पर 110वीं रैंक प्राप्त की है, जबकि जनरल कैटेगरी में उनकी 85वीं रैंक आई है। इसके साथ ही वे इंदौर शहर के टॉपर भी बन गए हैं। इस बार मध्यप्रदेश राज्य से कुल मिलाकर करीब 1.18 लाख अभ्यर्थियों ने नीट परीक्षा दी थी, जिसके लिए प्रदेश के 30 अलग-अलग जिलों में 283 परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए थे।

व्यापार समाचार

भारतीय शेयर बाजार की धमाकेदार शुरुआत

- सेंसेक्स 6 अंक उछलकर 77,8 पार, निफ्टी 24,2 के पार

मुंबई (ए.)। भारतीय शेयर बाजार ने शुक्रवार को वैश्विक दबाव के बावजूद शानदार प्रदर्शन करते हुए नया मुकाम हासिल किया। बीएसई सेंसेक्स ने 77,800 का स्तर पार करते हुए 627.98 अंक की बढ़त दर्ज की, जबकि निफ्टी 50 भी 166.55 अंक चढ़कर 24,239.30 के स्तर पर पहुंच गया। इस दमदार शुरुआत ने निवेशकों का उत्साह बढ़ाया। भारतीय शेयर बाजार ने शुक्रवार को वैश्विक बाजारों में कमजोरी के रुझान के बावजूद अपनी मजबूती का प्रदर्शन किया। बीएसई सेंसेक्स 77,814.84 पर और निफ्टी 50 24,239.30 के स्तर पर कारोबार करते दिखे, जो बाजार के लिए एक सकारात्मक संकेत है। हालांकि, वैश्विक मोर्चे पर पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव कच्चे तेल की कीमतों को लगातार बढ़ा रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य टकराव के कारण ब्रेंट क्रूड फ्यूचर (जुलाई डिलीवरी) 1.1 फीसदी बढ़कर 85.34 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, बाजार की यह तेजी कुछ चुनिंदा क्षेत्रों तक ही सीमित

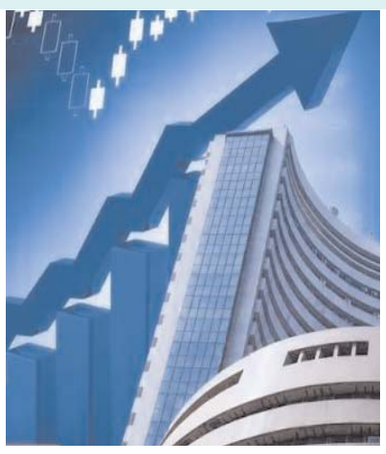

है। गुरुवार की मामूली गिरावट के बाद आईटी और कुछ ऑटो शेयरों ने बाजार को सहारा दिया, जबकि वित्तीय और मेटल शेयरों पर दबाव बना रहा। यह इस बात का संकेत है कि निवेशक फिलहाल पूरे बाजार में खरीदारी करने के बजाय रणनीतिक रूप से विशेष सेक्टरों पर दांव लगा रहे हैं। तकनीकी विश्लेषण की बात करें तो निफ्टी फिलहाल एक सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है, जो बाजार में असमंजस की स्थिति को दिखाता है। 23,900-23,800 का स्तर मजबूत सपोर्ट बना हुआ है, जबकि 24,150 का स्तर निकटतम रेजिस्टेंस है। अगर निफ्टी 24,150 के ऊपर टिकता है तो इसमें 24,300 तक तेजी देखने को मिल सकती है। वहीं अगर यह सपोर्ट स्तर से नीचे फिसलता है तो मुनाफावसूली बढ़ सकती है। वहीं गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार में सुस्ती का माहौल रहा। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांक सपाट बंद हुए। ईरान-अमेरिका युद्ध को लेकर बढ़ती अनिश्चितताओं ने निवेशकों को प्रभावित किया।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स मात्र एक अंक बढ़कर 77,187 पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 करीब 6 अंक गिरकर 24,073 पर पहुंच गया। बाजार में यह सुस्ती एक्सपायरी के दिन देखी गई। निफ्टी 24,100 के स्तर से नीचे बंद हुआ। इस दौरान अस्थिरता का पैमाना इंडिया वीआईएक्स करीब 3 फीसदी गिरकर 12.88 पर आ गया।

सोना 1.40 लाख के पार, चांदी 2.15 लाख के करीब

नई दिल्ली (ए.)। सोने और चांदी के वायदा भाव में शुक्रवार को मिलाजुला रुख देखने को मिला। जहां घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में सोने की कीमतों में तेजी दर्ज की गई, वहीं चांदी की चमक फीकी पड़ी और उसके भाव लुढ़क गए। निवेशकों ने सोने को सुरक्षित निवेश के रूप में पसंद किया, जबकि चांदी में मुनाफावसूली हावी रही। घरेलू वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रैक्ट खबर लिखे जाने तक 1,40,650 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। यह पिछले बंद भाव 1,40,348 से 310 रुपए की तेजी दर्शाता है। दिन के कारोबार में सोने ने 1,40,733 रुपए का उच्च स्तर भी छुआ, जो इसकी मजबूत स्थिति को दर्शाता है। इसके विपरीत एमसीएक्स पर चांदी का सितंबर कॉन्ट्रैक्ट 2,15,655 रुपए प्रति किलोग्राम पर लुढ़क गया, जिसमें पिछले बंद भाव 2,16,013 से 358 रुपए की गिरावट दर्ज की गई।

गेहूं एक महीने में 8 फीसदी महंगा, बढ़ सकती हैं खाद्य तेल की कीमतें; क्यों बिगड़ रहा रसोई का बजट?

नई दिल्ली (ए.)। त्योहारी सीजन से ठीक पहले रसोई का बजट फिर बिगड़ सकता है। घरेलू बाजार में पिछले एक माह में गेहूं की कीमतें 8 फीसदी से ज्यादा बढ़ चुकी हैं। खाद्य तेलों की कीमतों में भी तेजी आने की पूरी आशंका है।

काले सागर में आपूर्ति के बढ़ते जोखिमों के कारण शिकागो गेहूं वायदा पिछले सत्र में 5 फीसदी उछलने के बाद दो महीने के उच्चतम स्तर के करीब पहुंच गया है। यूक्रेन के बंदरगाह पर हुए हमलों से गेहूं निर्यात प्रभावित हुआ है। दूसरी ओर, अजोव सागर और केर्च जलडमरूमध्य में प्रतिबंध से रूस का गेहूं निर्यात भी मुश्किल में आ गया है। इन व्यवधानों ने वैश्विक गेहूं बाजारों में एक जोखिम प्रीमियम जोड़ दिया है।

गेहूं की वैश्विक कीमतों में आए इस उछाल का असर भारतीय बाजार पर भी हुआ है। इस दौरान इंदौर मंडी में गेहूं के दाम सबसे अधिक 8.44 फीसदी तक बढ़े हैं।?दिल्ली, कानपुर और कोटा जैसी प्रमुख मंडियों में कीमतें औसतन 3.5-4 फीसदी के बीच बढ़ी हैं।

गेहूं उत्पादन हो सकता है प्रभावित

गेहूं उत्पादन का परिदृश्य प्रतिकूल मौसम की स्थिति के प्रति संवेदनशील बना हुआ है, क्योंकि बढ़ता तापमान, बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि पैदावार एवं अनाज की गुणवत्ता के लिए जोखिम पैदा कर रहे हैं। मौसम में हालिया व्यवधानों के कारण व्यापारियों ने अगले रबी सीजन के उत्पादन पूर्वानुमान को 11.35 करोड़ टन से घटाकर 11.40 करोड़ टन कर दिया है। यह पिछले वर्ष की तुलना में अधिक उत्पादन के बावजूद शुरुआती उम्मीदों से कम है।

खाद्य तेलों में तेजी के चार कारण

इस साल सोयाबीन की खेती 6 फीसदी तक कम रहने की आशंका है। 15 दिनों में बारिश में सुधार नहीं हुआ, तो प्रति हेक्टेयर उत्पादन भी 5 से 7 फीसदी घट सकता है।?

वैश्विक बाजारों में पाम तेल की उपलब्धता में कमी और घरेलू बाजार में सरसों व सोयाबीन के पर्याप्त स्टॉक के चलते भारत ने आयात कम किया है, जिससे आने वाले समय में घरेलू स्टॉक पर दबाव बढ़ेगा।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

ये कदम सही दिशा में

जिस देश में कार स्वामित्व कुल आबादी में आठ प्रतिशत से नीचे हो, वहां कार मालिकों को इतनी बड़ी सब्सिडी देना सिरे से काबिल-ए-एतराज है। इससे बेहतर नजरिया डीजल/ पेट्रोल कार रखना महंगा बनाना होता।

दिल्ली सरकार की नई इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति सही दिशा में पहल है। राष्ट्रीय राजधानी को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिहाज यह लाभदायक हो सकती है। लेकिन इस नीति का बोझ आम करदाताओं पर डालने पर नजरिया आपत्तिजनक है। उपभोक्ताओं को इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर आकर्षित करने के लिए 30 लाख रुपये तक की कारों पर रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क में सौ फीसदी छूट दी गई है। साथ ही प्रदूषणकारी वाहनों को हटाने के लिए बीएस-4 या उससे पुराने चार पहिया वाहनों के लिए एक लाख रुपये तक का स्क्रैपेज इंसेंटिव दिया जाएगा। अगले चार वर्ष में दिल्ली सरकार 15,000 करोड़ रुपये ऐसी सब्सिडी और ईवी के चार्जिंग स्थल बनाने आदि पर खर्च करेगी। स्पष्टत: राजकोष से खर्च होने वाला ये पैसा उन नागरिकों की कीमत पर होगा, जो कार रखने का सपना भी नहीं देख पाते। जिस देश में कार स्वामित्व कुल आबादी में आठ प्रतिशत से नीचे हो, वहां कार मालिकों को ऐसी सब्सिडी देना सिरे से काबिल-ए-एतराज है। इससे बेहतर नजरिया डीजल/पेट्रोल कार रखना महंगा बनाना होता। यह फैसला लिया जा सकता था कि ऐसी कार रखने वालों को ईवी की तुलना में दो या तीन गुना अधिक रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क देना होगा। सार्वजनिक स्थलों पर वैसे वाहनों का पार्किंग शुल्क भी दो या तीन गुना ज्यादा किया जा सकता था। भारत में कार रखने वाले तबकों के लिए यह खर्च कोई बड़ा बोझ नहीं है। उस स्थिति में इस जरूरी पहल का बोझ राजकोष पर नहीं पड़ता। बल्कि सरकार अतिरिक्त राजस्व जुटा सकती थी, जिसे सार्वजनिक परिवहन की व्यवस्था को दुरुस्त करने पर खर्च किया जा सकता था। लेकिन अब अंदेशा है कि सार्वजनिक कल्याण और गरीब तबकों को बुनियादी सुविधाएं देने के लिए रखे जाने वाले बजट पर ईवी को प्राथमिकता देने के निर्णय की मार पड़ेगी। दिल्ली सरकार ने एक जनवरी 2027 से दिल्ली में केवल इलेक्ट्रिक थ्री-व्हिलर्स (ई-ऑटो) का पंजीकरण करने और एक अप्रैल 2028 से पेट्रोल-सीएनजी दोपहिया वाहनों का पंजीकरण पूरी तरह बंद कर केवल इलेक्ट्रिक मॉडल्स को अनुमति देने का फैसला किया है। ये कदम सही दिशा में हैं।

लोग खुद ही नैरेटिव के जाल में फंसे

हरिशंकर व्यास

देश के नागरिकों के असली सरोकार अलग हैं और उनकी राजनीतिक चिंताएं या प्राथमिकताएं अलग हैं। यह पिछले 12 साल की राजनीतिक उपलब्धि है। पहले लोगों के जीवन की समस्या का रिफ्लेक्शन उनकी चुनावी प्राथमिकता में दिखता था। लोग सरकार से नाराज होते थे तो सरकार बदल देते थे। विपक्षी पार्टियों की रैलियों में नारा लगता था कि 'जो सरकार महंगाई न रोके वो सरकार निकम्मी है' और 'जो सरकार निकम्मी है वो सरकार बदलनी है'। लेकिन अब तस्वीर पूरी तरह से बदल गई है। विपक्ष नारे तो लगा रहा है और लोग समझ भी रहे हैं कि सरकार महंगाई नहीं रोक पा रही है, सरकार रोजगार नहीं दे रही है, सरकार गरीबी कम नहीं कर पा रही है, सरकार दाखिला व रोजगार वाली परीक्षाएं ठीक से नहीं करा पा रही है फिर भी ऐसी सरकार बदल देनी है यह बात नहीं दिख रही है।

क्यों यह दो भारत की तरह का मामला नहीं है, बल्कि एक ही भारत के दो चरित्र हैं। एक ही व्यक्ति के दो चरित्र हैं। एक चरित्र तो वह है, जिसमे वह अपने और अपने परिवार के रोजमर्रा के जीवन से जुड़ी बातों की चिंता करता है। इसमें उसकी सबसे बड़ी चिंता है कि नौकरी नहीं मिल रही है। आर्थिक संकट है। महंगाई बढ़ रही है और दिन प्रतिदिन हालात खराब होते जा रहे हैं। उसका दूसरा चरित्र यह मजबूरी जाहिर करना है कि क्या करें, कोई रास्ता भी तो नहीं है। यह बड़ी कमाल की बात है कि हर मुश्किल के लिए पहले की सरकारों को जिम्मेदार ठहराया जाता है या फिर यह मजबूरी जाहिर की जाती है कि क्या करें अगर इस सरकार को हटाएं तो किसको चुन दें ऐसा कहने वाले या तो बहुत शातिर हैं या इतने भोले हैं कि उन्होंने सरकार की ओर से व्यवस्थित तरीके से चलाए गए इस कैम्पेन को स्वीकार कर लिया है कि विपक्ष बहुत निकम्मा है और इसलिए जो लोग अभी सरकार चला रहे हैं, वे जैसा चला रहे हैं वैसा ही चलने दिया जाए ऐसा भारत में पहले नहीं होता था और न दुनिया में किसी दूसरे देश में ऐसा होता है। यह कहीं नहीं होता है कि वास्तविकता के ऊपर झूठ का नैरेटिव इतना हावी हो जाए कि लोग अपनी वास्तविक समस्याओं को भूल कर नैरेटिव के आधार पर राजनीतिक विचार बनाएं और चुनाव में मतदान करें।

सोनम वांगचुक का व्यक्तिगत त्याग शिक्षा सुधार के राष्ट्रीय आंदोलन की प्रेरणा बने

सौरभ जैन अंकित

जब संसद का सत्र शुरू होता है तो देश की निगाहें बहस, हंगामे और नए कानूनों पर टिक जाती हैं। टेलीविजन चैनलों पर राजनीतिक समीकरणों का विश्लेषण शुरू हो जाता है और सुर्खियां यह तय करने लगती हैं कि कौन जीता और कौन हारा। लेकिन लोकतंत्र की वास्तविक सफलता का आकलन केवल इस आधार पर नहीं होना चाहिए कि संसद ने कितने विधेयक पारित किए। असली सवाल यह है कि संसद ने देश के सामने मौजूद सबसे महत्वपूर्ण सवालों को कितनी गंभीरता से उठाया और उनके समाधान के लिए क्या ठोस कदम उठाए। आज ऐसा ही एक बड़ा सवाल संसद के बाहर खड़ा है, भारत की शिक्षा व्यवस्था का भविष्य क्या होगा? सामाजिक कार्यकर्ता, वैज्ञानिक, इंजीनियर और शिक्षाविद् सोनम वांगचुक का अनिश्चितकालीन अनशन इसी सवाल को राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ला रहा है। उनका संघर्ष केवल किसी एक व्यक्ति, संस्था या सरकार के खिलाफ आंदोलन नहीं है। यह उस शिक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता है, जो देश के करोड़ों बच्चों और युवाओं का भविष्य तय करती है।सोनम वांगचुक की पत्नी की चिंता स्वाभाविक है। हर दिन अपने पति के कमजोर होते शरीर को देखना किसी भी परिवार के लिए पीड़ादायक होगा। लेकिन यह व्यक्तिगत चिंता अब राष्ट्रीय चिंता बन चुकी है। जब कोई व्यक्ति अपने विश्वास और उद्देश्य के लिए अहिंसक तरीके से व्यक्तिगत त्याग का रास्ता चुनता है, तो उसका उद्देश्य केवल सरकार को झुकाना नहीं होता। वह समाज और सत्ता की अंतरात्मा को जगाने का प्रयास करता है। यही कारण है कि इस आंदोलन का परिणाम यदि केवल केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे या मंत्रालय में फेरबदल तक सीमित रह जाता है, तो यह एक बड़े राष्ट्रीय प्रश्न को छोटा कर देगा। लोकतंत्र में मंत्रियों की जवाबदेही आवश्यक है। यदि कोई मंत्री अपने

विभाग की विफलताओं की जिम्मेदारी नहीं लेता, तो उससे इस्तीफे की अपेक्षा करना लोकतांत्रिक व्यवस्था का स्वाभाविक हिस्सा है। लेकिन व्यक्ति बदलने से व्यवस्था नहीं बदलती। मंत्री आते-जाते रहते हैं, सरकारें बदलती रहती हैं, राजनीतिक दल सत्ता में आते-जाते रहते हैं, लेकिन शिक्षा संस्थाएं और नीतियां लंबे समय तक समाज को प्रभावित करती हैं। इसलिए आज भारत को केवल शिक्षा मंत्री बदलने की नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था की दिशा बदलने की जरूरत है। लगभग डेढ़ दशक पहले भारत की करीब आधी आबादी 25 वर्ष से कम आयु की थी। अर्थशास्त्रियों ने इसे भारत का जनसांख्यिकीय लाभांश कहा। दुनिया के किसी भी देश के लिए इतनी बड़ी युवा आबादी एक असाधारण अवसर होती है। यदि इस युवा शक्ति को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल और रोजगार के अवसर मिलें, तो यह देश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती है।भारत ने शिक्षा के क्षेत्र में पहुंच बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। स्कूलों और कॉलेजों की संख्या बढ़ी है। नामांकन में वृद्धि हुई है। शिक्षा का विस्तार पहले की तुलना में कहीं अधिक हुआ है। लेकिन केवल स्कूल और कॉलेज बढ़ा देना शिक्षा की सफलता का प्रमाण नहीं है। असली सवाल यह है कि बच्चे और युवा वास्तव में क्या सीख रहे हैं।आज भी बड़ी संख्या में विद्यार्थी अपनी कक्षा के अनुरूप पढ़ने, लिखने और गणितीय कौशल में अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच पाते। उच्च शिक्षा में भी डिग्रियों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन शोध, नवाचार, आलोचनात्मक सोच और रोजगारपरक कौशल के क्षेत्र में अभी लंबी दूरी तय करनी है।भारत यदि स्वयं को 'विश्वगुरु' बनाना चाहता है, तो उसे केवल अधिक विद्यार्थियों को शिक्षा व्यवस्था में शामिल करने से आगे बढ़ना होगा। शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा पास कराना और डिग्री देना नहीं हो सकता। शिक्षा का उद्देश्य जिज्ञासा पैदा करना, तर्कशील सोच विकसित करना, रचनात्मकता को बढ़ावा देना और युवाओं को बदलती दुनिया के लिए तैयार करना होना चाहिए।

भारत की शिक्षा नीति को राजनीतिक दलों की सीमाओं से ऊपर उठाना होगा। शिक्षा ऐसा विषय नहीं हो सकता जो हर सरकार के साथ बदल जाए। देश को शिक्षा के क्षेत्र में दीर्घकालिक राष्ट्रीय सहमति की आवश्यकता है। सरकार कोई भी हो, शिक्षा की गुणवत्ता, शिक्षक प्रशिक्षण, शोध, तकनीकी शिक्षा, मातृभाषा में सीखने, डिजिटल संसाधनों और रोजगारपरक कौशल पर निरंतर काम होना चाहिए।

चढ़ावा चोरी कांड तेजी से बढ़ते धार्मिक पर्यटन के लिए भी झटका है

अजय बोकिल

अयोध्या के श्रीराम मंदिर के चढ़ावा चोरों और उनके 'संरक्षकों' को इस बात का 'श्रेय' तो देना ही पड़ेगा कि उन्होंने देश भर में तमाम हिंदू मंदिरों के चढ़ावे और दान आदि के हिसाब किताब में चोरी चकारी और कुप्रबंधन की कलई खोलकर समूचे हिंदू समाज को उद्वेलित और आत्ममंथन के लिए विवश कर दिया है। यूं तो मंदिरों में गड़बड़ियां पहले भी होती रही होंगी, लेकिन अब तो इसका सीरियल ही चल पड़ा है। वैष्णो देवी, बद्रीनाथ धाम, गुजरात का मां अंबाजी मंदिर, मप्र के नलखेड़ा का मां बगुलामुखी मंदिर, बस्तर का मां दंतेश्वरी देवी मंदिर इन सबकी अंतर्कथा लगभग एक-सी है। चढ़ावे में चोरी, दान में, मंदिर के खजाने और जमीन वसीयतों आदि में हेराफेरी। हो सकता है कि गड़बड़ी के कुछ आरोप गलत भी हों, लेकिन इनसे यह तो साफ हो रहा है ज्यादातर मंदिरों के प्रबंधन में ऐसे लोग बैठे हैं, जिनका माया मोह भक्तों के भक्ति भाव से कहीं ज्यादा प्रबल, संगठित और मारक है। और तो और जिन मंदिरों में सरकारी अफसर बतौर सीईओ नियुक्त हैं, वहां भी गड़बड़ियां कम नहीं हैं। इन घटनाक्रमों ने हर आस्थावान हिंदू के मन में खिन्नता का भाव पैदा कर दिया है। वह मन ही मन सोचने लगा है कि आखिर इन मंदिरों में जाएं तो जाएं क्यों? जब हर जगह चोरों का ही बोलबाला है तो मंदिर में चढ़ावा चढ़ाएं क्यों? और जब भगवान खुद ही अपने घर में चोरी नहीं रोक पा रहे तो उस पर सौ फीसदी भरोसा जताए क्यों? और क्या मंदिरों का हिसाब किताब कभी सही ढंग से रखा भी जा सकेगा? क्या मालियों को ही फूल चुराने से रोका जा सकेगा? या सब कुछ वैसा ही चलता रहेगा, जैसा चल रहा है? उधर राम मंदिर चढ़ावा चोरी की एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट अभी नहीं आई है, लेकिन चढ़ावा चोरी को जायज ठहराने वाला एक बयान यूपी विधानसभा अध्यक्ष और भाजपा नेता सतीश महाना का आ गया है। सतीश जी ने ज्ञान दिया कि वही चढ़ावा चोरी हुआ, जो भक्तों ने सच्ची श्रद्धा से नहीं दिया। एक तरह से उन्होंने श्रद्धा की शुद्धता जांचने का मीटर चढ़ावा चोरों के हाथ में ही थमा दिया। लिहाजा राम मंदिर चढ़ावा चोरी में आगे क्या होना है, इसे अभी से समझा जा सकता है। बहरहाल जो घट रहा है, जिस तरह से निर्लज्ज चढ़ावा चोरी की खबरें फैल रही हैं और जिस तरह से इसके लिए जिम्मेदार बड़े लोग पल्ला झाड़ रहे हैं, उसका सीधा असर मंदिरों में भक्तों के सैलाब पर पड़ने लगा है। बहुतों ने अपने मंदिर टूर के कार्यक्रम या तो रद्द कर दिए हैं या फिर आगे बढ़ा दिए

हैं। इस बीच अयोध्या के श्रीराम मंदिर में राम भक्तों की घटती कतारें और गिरते कारोबार की खबरें इस बात का स्पष्ट संकेत हैं। इसी संदर्भ में राम मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद गिरी का यह बयान भी हैरान करने वाला है कि इस चढ़ावा चोरी में उनकी कोई जिम्मेदारी नहीं बनती। फिर भी वो नैतिक आधार पर पाप प्रक्षालन के लिए धार्मिक अनुष्ठान कर रहे हैं। पद से इस्तीफे का (कु) विचार तो उनके मन को छू भी नहीं गया है। जबकि हकीकत में कोषाध्यक्ष होने के नाते उन्हीं की रवानगी सबसे पहले होनी थी। लेकिन अपराध के 'नैतिक पाप प्रक्षालन' का जो तरीका गोविंद गिरी ने बताया है, उसे तो सरकार को भारतीय न्याय संहिता में शामिल करने पर विचार करना चाहिए। दिलचस्प यह भी है कि गोविंद गिरी मूलत: कृष्ण भक्त हैं और भगवद गीता पर प्रवचन देते हैं, लेकिन उन्हें कोषाध्यक्ष श्रीराम मंदिर का बनाया गया है। हालांकि राम मंदिर ट्रस्ट भक्तों की संख्या और चढ़ावा घटने की खबरों का खंडन कर रहा है। लेकिन अयोध्या के कारोबारियों के चेहरे पर छाई उदासी और भक्तों की दुबली होती कतारें असली कहानी कह जाती हैं। इस चढ़ावा चोरी प्रकरण का सीधा दुष्प्रभाव उस धार्मिक पर्यटन प्रमोशन थ्योरी पर भी पड़ा है, जिसके माध्यम से सरकार देश की अर्थ व्यवस्था गति देने का सपना देख रही थी। राम मंदिर चढ़ावा चोरी कांड के आरोपियों को सजा होगी या नहीं, कितनी होगी, बड़े मगरमच्छ पकड़े जाएंगे या नहीं या फिर सिर्फ लीपापोती कर भोले हिंदुओं को ठगा जाएगा, इन सवालों के जवाब अभी मिलने हैं। मंदिर की व्यवस्थाओंमें सुधार के भी संकते संकेत हैं, लेकिन राम मंदिर सहित सभी बड़े मंदिरों का प्रबंधन बेदाग हो, इसके लिए क्या किया जा रहा है अथवा क्या किया जाना चाहिए, इस बारे में चीजें अभी बहुत स्पष्ट नहीं है। ऐसी कोई सामान्य और कठोर आचार संहिता पर भी बात नहीं हो रही है। चिंता की बात तो यह है कि अधिकांश मंदिरों के प्रबंधकर्ता मंदिर को 'कामधेनु' समझ कर ही काम कर रहे हैं। श्रीराम मंदिर चढ़ावा चोरी का अन्य मंदिरों के 'चोरों' के हौसलों पर कोई असर नहीं पड़ा है।

उदाहरण के लिए चार धाम में से एक बद्रीनाथ धाम मंदिर के चढ़ावे में चोरी की मंदिर की आंतरिक जांच पुलिस कार्रवाई तक पहुंच गई है और एसआईटी ने मंदिर के एक कर्मचारी को गिरफ्तार भी किया है। उल्लेखनीय है कि मंदिर चढ़ावे में चोरी की शिकायत भैरव सेना के संस्थापक संदीप खत्री ने श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के मुख्य कार्याधिकारी को लिखित रूप में की थी। राज्य सरकार ने अब इसकी जांच एक उच्चस्तरीय समिति को सौंपी है। इसी तरह जम्मू के प्रसिद्ध श्री वैष्णो देवी मंदिर में चढ़ावे की चांदी में 550 करोड़ रू. की हेराफेरी का मामला सामने आया है। एक भक्त ने इसकी शिकायत पुलिस में की थी। जम्मू की एक अदालत ने पुलिस को शिकायत के सम्बन्ध में पूरा रिकॉर्ड 29 जुलाई तक पेश करने निर्देश दिया है। बताया जाता है कि मंदिर में चढ़ावे के रूप में लगभग 550 करोड़ रुपये मूल्य की चांदी प्राप्त हुई थी, जिसमें से केवल 20 से 30 करोड़ रुपए मूल्य की चांदी ही असली थी, जबकि शेष चांदी नकली या मिलावटी थी। इस कथित नकली चांदी में जहरीला कैडमियम मिले होने की बात भी सामने आई है। यह मामला अब राजनीतिक रंग भी लेता जा रहा है।

गुजरात के बनासकांठा जिले में स्थित प्रसिद्ध अंबाजी मंदिर दान चोरी का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद चढ़ावा गिनती की कलेक्टर ने व्यवस्था को बदला दिया है। एक आरोपी को तुरंत नौकरी से निकाल दिया गया है।

मप्र के आगर मालवा जिले के नलखेड़ा स्थित सिद्धपीठ मां बगुलामुखी मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच शुरू हो चुकी है। मंदिर के नाम पर तीन साल पहले यानी 2024 में बनी 'नलखेड़ा सुदर्शन सेवा समिति' के पदाधिकारी अंडरग्राउंड हैं। नियम विरुद्ध बनी इस समिति में 12 सदस्य हैं। समिति की वो रसीद बुक भी सामने आई है, जिसके माध्यम से समिति के लोग चंदा इकट्ठा करते थे। इस पर रजत सौंदर्यीकरण हेतु दान पत्र लिखा है। समिति यह रसीद श्रद्धालुओंको दे रही थी। इस मामले में गठित जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में गड़बड़ी के आरोपों को सही नहीं पाया है। उल्लेखनीय है कि बगलामुखी मंदिर प्रबंध समिति के नाम से पहले से सरकारी समिति है, जिसके पदेन अध्यक्ष एसडीएम होते हैं। मंदिर के नाम और तस्वीरों का उपयोग कर फेसबुक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम सहित कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फर्जी आईडी संचालित कर ठगी का धंधा अलग चल रहा है।

उधर बस्तर के प्राचीन मां दंतेश्वरी देवी मंदिर में चार दशकों से चढ़ावे, दान, सम्पत्ति, आभूषणों का कोई हिसाब सार्वजनिक नहीं किया गया है। जबकि 6 साल पहले कोर्ट ने हिसाब सार्वजनिक करने का आदेश दिया था। न कोई जांच हुई और न ही कोई रिपोर्ट सामने आई। वर्ष 1981 के बाद से मंदिर की संपत्ति का सत्यापन भी नहीं हुआ। मंदिरों में भक्तों की आस्था के प्रतीक चढ़ावे और दान की चोरी के निकृष्ट अपराध और नैतिक अधःपतन का गलत संदेश पूरी दुनिया में जा रहा है। इसका असर धार्मिक पर्यटन पर पड़ने लगा है। चढ़ावा चोरी की घटनाएं सार्वजनिक होने से पहले देश में धार्मिक पर्यटन और आध्यात्मिक पर्यटन 10.2 फीसदी की दर से बढ़ रहा था। भारत में कुल पर्यटन में 60 फीसदी हिस्सेदारी धार्मिक पर्यटन की हो चुकी थी। 2032 तक 2032 तक धार्मिक पर्यटन कारोबार के 4 खरब 24 अरब रूपए तक पहुंचने की उम्मीद थी। सभी प्रसिद्ध मंदिरों भक्तों के रेले उमड़ रहे थे, लेकिन अब इसकी रफ्तार मंद होने लगी है। हालात नहीं सुधरे तो अर्थ व्यवस्था के लिए भी यह बड़ा झटका होगा।

मेष राशि: मेष राशि वालों आज आपका दिन खुशहाल बीतेगा। शिक्षा से रिलेटेड आपकी मनोकामना आज पूरी होगी और आपको परीक्षा में अच्छे अंक मिलेंगे, जिससे अच्छे कॉलेज में आप एडमिशन ले पाएंगे। आज व्यापार में आपको नये सुनहरे अवसर मिलने की संभावना है।

वृष राशि: वृष राशि वालों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आज का दिन व्यापार के लिए फायदेमंद रहेगा, रोज की अपेक्षा अधिक लाभ होगा। आज निवेश से जुड़े कुछ बेहतर मौके आपको मिल सकते हैं, बेहतर होगा किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह लें। आज का दिन नई कार्य योजना बनाने और फैसला लेने के लिए बहुत अच्छा है।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आपका मन नये कार्यों को सीखने में लगेगा। आज आपके बिजनेस में दो गुना वृद्धि होने के योग बने हुए हैं। आज अपने कार्यों को पूरी सावधानी से करें, साथ ही दूसरों की हर संभव मदद करें।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों के लिए आज का दिन मिला-जुला रहने वाला है। आप अपनी सोच को सकारात्मक रखें। आज आर्थिक मामलों पर मनन और चिंतन करने की जरूरत है। किसी प्रॉपर्टी में निवेश करने की योजना बन सकती है। आज जॉब स्विच करने का मन बना सकते हैं, इसके लिए आपको अच्छे ऑप्शन मिल जाएंगे।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। आज जिससे भी मिलेंगे वह व्यक्ति आपसे प्रभावित होगा। बिजनेस में आज परिवार से सहयोग मिलेगा। सरकारी नौकरी में पब्लिक डीलिंग करते समय आज नकारात्मक शब्दों के प्रयोग से बचें। अपनी वाणी में विनम्रता लाएं।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज आपका दिन खुशनुमा रहने वाला है। इस राशि के सरकारी ऑफिस में काम करने वालों का आज ट्रांसफर ऐसी जगह होगा जहां से आपको अप-डाउन करने में आसानी होगी। आज आप छोटी-छोटी चीजों में खुशियां ढूंढने का प्रयास करेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति पहले से काफी मजबूत होगी।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज का दिन आपको सफलता दिलाने वाला रहेगा। आज आपका सामाजिक कार्यों में रुझान बढ़ेगा। आपके कामों से आपके पड़ोसी प्रभावित होंगे। आज आपका मन नये कार्यों को सीखने के लिए उत्साहित रहेगा। आपके करियर में सार्थक बदलाव आएंगे, आप कुछ इनोवेटिव करने का प्रयास करेंगे।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन उत्साहवर्धक रहेगा। प्रॉपर्टी में निवेश के लिए दिन अच्छा है। बड़े-बुजुर्गों की सलाह आज आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगी। अचानक धन लाभ का योग बन रहा है। आज आपका झुकाव समाज सेवा की तरफ रहेगा। शत्रु पक्ष आपको परेशान करने का प्रयास करेगा, लेकिन आप अपनी समझ-बुझ से समस्याओं से बाहर निकलने में कामयाब होंगे।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज दिन आपके लिए नई ऊर्जा से भरा रहने वाला है। आज अध्यात्म की ओर आपका रुझान बढ़ेगा। आप घर पर किसी धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन करेंगे। राजनीतिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। आज लोगों के बीच आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज का दिन आपके जीवन में नए अवसर लेकर आएगा। कार्य स्थल पर अधिकारी आपके कार्यों की तारीफ करेंगे। आज समय का सदुपयोग करके आप अपने कार्य की गुणवत्ता को बेहतर कर सकते हैं।

कुंभ राशि: कुंभ राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। आज सामाजिक कार्यों में अपना योगदान देंगे। आज कार्यक्षेत्र में उम्मीद के अनुसार कामयाबी हासिल होगी। आज आपकी बात किसी बचपन के दोस्त से हो सकती है। घर के किसी सदस्य की उपलब्धि से प्रसन्नता भरा माहौल रहेगा। आज आपकी सकारात्मक सोच कार्यों को पूरा करने में मदद करेगी।

मीन राशि: मीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्साहवर्धक रहेगा।

आज जिस भी कार्य को शुरू करेंगे उसमें आपको निश्चित ही सफलता मिलेगी। संतान के करियर को लेकर आज आप किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह लेंगे।

अकादमिक सशक्तिकरण, रोजगार सृजन और कर्मचारी हितों के साथ आगे बढ़ता छत्तीसगढ़

-362 सहायक प्राध्यापक बने प्रोफेसर, 152 प्रोफ़ेसर हुए प्राचार्य पदोन्नति, शैक्षणिक नेतृत्व को मिली नई मजबूती

विष्णु प्रसाद वर्मा

किसी भी राज्य की प्रगति का वास्तविक पैमाना उसकी शिक्षा व्यवस्था होती है और इसकी गुणवत्ता केंद्र में खड़े शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारियों की सक्षमता, सुरक्षा और सम्मान पर निर्भर करती है। जब उच्च शिक्षा व्यवस्था में कार्यरत मानव संसाधन को पदोन्नति, सेवा सुरक्षा, वित्तीय सम्मान और शोध के अवसर एक साथ मिलते हैं, तब शिक्षा राज्य के सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन की सबसे मजबूत धुरी बन जाती है। छत्तीसगढ़ का उच्च शिक्षा विभाग इन दिनों इसी व्यापक और समग्र परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है।

राज्य सरकार ने उच्च शिक्षा विभाग को केवल भवनों, पाठ्यक्रमों और परीक्षाओं तक सीमित न रखकर उसे अकादमिक गुणवत्ता, प्रशासनिक दक्षता, रोजगार सृजन, शोध संवर्धन और कर्मचारी कल्याण से जोड़ा है। हाल के महीनों में लिए गए निर्णय इस बात के प्रमाण हैं कि सरकार उच्च शिक्षा संस्थानों को भविष्य के ज्ञान-केंद्रों के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। पदोन्नतियों की लंबित फाइलों को गति देना, नई भर्तियां, वेतनमान व एरियर्स का निराकरण, तकनीकी स्टाफ की नियुक्ति, शोध को प्रोत्साहन और अनुकंपा नियुक्ति जैसे कदमों से विभाग ने हर मोर्चे पर ठोस और संवेदनशील पहल की है।

पदोन्नति से संस्थागत नेतृत्व को नई शक्ति

उच्च शिक्षा संस्थानों की गुणवत्ता का एक बड़ा आधार उनका नेतृत्व होता है। जब कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में योग्य और अनुभवी शिक्षकों को समय पर पदोन्नति मिलती है, तो उसका सीधा असर संस्थान की कार्यसंस्कृति और प्रशासनिक क्षमता पर दिखाई देता है। लंबित पदोन्नति प्रक्रियाओं को गति देकर राज्य सरकार ने एक निर्णायक पहल की है।

वर्ष 2025 में रिकॉर्ड 362 सहायक प्राध्यापकों को पदोन्नत कर प्राध्यापक (प्रोफेसर) बनाया गया है। इसके साथ ही 152 पदोन्नत प्राध्यापकों को स्नातक प्राचार्य तथा 07 स्नातक प्राचार्यों को स्नातकोत्तर (PG) प्राचार्य के पद पर पदोन्नत किया गया है। इन निर्णयों से महाविद्यालयों की कमान अनुभवी हाथों में पहुँची है, जिससे संस्थागत निर्णय क्षमता, शैक्षणिक अनुशासन और प्रशासनिक जवाबदेही मजबूत होगी।

सीधी भर्ती से युवाओं के लिए खुले अवसरों के नए द्वार

गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था के लिए संस्थानों में पर्याप्त संख्या में शिक्षक और विशेषज्ञ अनिवार्य हैं। राज्य सरकार ने रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू कर युवाओं के लिए सरकारी सेवा में प्रवेश के बड़े अवसर निर्मित किए हैं। शासकीय महाविद्यालयों में प्राध्यापकों के 595 पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया आधिकारिक रूप से प्रारंभ हो चुकी है।

इसके अतिरिक्त, विभागीय संरचना को सशक्त बनाने के लिए कुल 700 पदों पर सीधी भर्ती को मंजूरी दी गई है। इनमें 625 पद सहायक प्राध्यापक, 50 पद ग्रंथपाल और 25 पद क्रीड़ाधिकारी के शामिल हैं। सहायक प्राध्यापकों की भर्ती से विषयवार अध्यापन की गुणवत्ता बेहतर होगी, ग्रंथपालों से पुस्तकालय अकादमिक संसाधनों के प्रभावी केंद्र बनेंगे और क्रीड़ाधिकारियों से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होगा। यह अभियान प्रदेश के योग्य युवाओं को सम्मानजनक रोजगार उपलब्ध कराने का सशक्त माध्यम बनने जा रहा है।CG-SET: युवा अकादमिक प्रतिभाओं के लिए बड़ी उम्मीद राज्य में सहायक प्राध्यापक बनने की आकांक्षा रखने वाले हजारों युवाओं के लिए राज्य पात्रता परीक्षा (CG-SET) एक महत्वपूर्ण अवसर है। विभाग द्वारा CG-SET का आयोजन 04 अक्टूबर 2026 को प्रस्तावित है द्य सरकार नई पीढ़ी की प्रतिभाओं को अकादमिक करियर में आगे बढ़ाने के लिए गंभीर है। यह परीक्षा छत्तीसगढ़ के युवाओं को प्रतिस्पर्धी शैक्षणिक परिदृश्य और ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था में अपनी जगह बनाने का अवसर देती है।

प्रयोगशालाओं और तकनीकी तंत्र को मिला नया आधार

विज्ञान, प्रौद्योगिकी और व्यावसायिक विषयों के लिए प्रयोगशालाएं, उपकरण और प्रशिक्षित तकनीकी स्टाफ उतने ही आवश्यक हैं जितने कक्षा और कक्ष। वर्ष 2025-26 के दौरान प्रयोगशाला तकनीशियन के 260 रिक्त पदों के विरुद्ध 247 अभ्यर्थियों तथा प्रयोगशाला परिचारक के 429 रिक्त पदों के विरुद्ध 399 अभ्यर्थियों को नियुक्ति आदेश जारी किए जा चुके हैं। तकनीकी स्टाफ की उपलब्धता से प्रयोगशालाओं का नियमित संचालन और विद्यार्थियों को व्यवहारिक प्रशिक्षण देने की प्रक्रिया अधिक प्रभावी होगी।

वेतनमान, एरियर्स और सेवा सुरक्षा: कर्मचारियों का बढ़ा भरोसा

विभागीय मजबूती का सबसे बड़ा आधार कर्मचारियों की सेवा सुरक्षा, न्यायपूर्ण वेतन संरचना और लंबित मामलों का समयबद्ध समाधान है। आपातकालीन रूप से अचयनित रहे 72 सहायक प्राध्यापकों को उनकी प्रथम नियुक्ति तिथि से वरिष्ठ, प्रवर श्रेणी और पे-बैंड-4 की स्वीकृति देकर 37.23 करोड़ रुपये की एरियर्स राशि उनके खातों में अंतरित की गई है, जो संस्थागत न्याय का प्रतीक है।

इसी तरह, वर्ष 2021 और 2022 में नियुक्त लगभग 1168 सहायक प्राध्यापकों में से रिकॉर्ड 935 नवनियुक्त प्राध्यापकों की परिवीक्षा अवधि समाप्त करने के आदेश जारी किए गए हैं। परिवीक्षा समाप्त होना कर्मचारियों के लिए स्थायित्व और पेशेवर सुरक्षा का महत्वपूर्ण पड़ाव है, जिससे विभाग के भीतर प्रतिबद्ध शैक्षणिक कार्यबल तैयार हुआ है।

शोध, अनुसंधान और गैर-अकादमिक स्टाफ का कल्याण उच्च शिक्षा व्यवस्था में शोध और नवाचार की भूमिका को देखते हुए राज्य सरकार द्वारा 577 सहायक प्राध्यापकों को पीएचडी करने की अनुमति देना एक दूरदर्शी निर्णय है। अधिक शिक्षक जब शोध से जुड़ेंगे, तो कक्षा में अद्यतन ज्ञान पहुंचेगा और महाविद्यालयों में बौद्धिक विमर्श का स्तर ऊपर उठेगा।

K K

राष्ट्रीय समाचार

शनिवार 18 जुलाई 2026,सीहोर

दैनिक क्षितिज किरण 5

जम्मू-कश्मीर के डोडा में SOG जवानों से राइफल छीनने की कोशिश, युवक की मौत; 3 पुलिसकर्मी घायल

डोडा (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के भद्रवाह क्षेत्र में स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (SOG) के जवानों से सर्विस राइफल छीनने की कथित कोशिश के दौरान हुई फायरिंग में एक युवक की मौत हो गई, जबकि तीन एसओजी जवान घायल हो गए। घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने इलाके में तलाशी अभियान तेज कर दिया है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, घटना के संबंध में एक धार्मिक उपदेशक को हिरासत में लिया गया है। हालांकि, उसका इस मामले से क्या संबंध है, इसकी जांच की जा रही है और अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

जानकारी के मुताबिक, गुरुवार देर रात एसओजी की एक टीम को ऊंचाई वाले क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिली थी। इसके बाद टीम भद्रवाह शहर से करीब 35 किलोमीटर दूर जाई-गंडोह मार्ग पर घात लगाकर निगरानी कर रही थी।

रात करीब 11:30 बजे एसओजी जवानों ने एक युवक को रोकने का प्रयास किया। पुलिस का आरोप है कि युवक ने जवानों पर हमला कर उनकी सर्विस राइफल छीनने की कोशिश की। धक्का-मुक्की के दौरान एक जवान की गोली चल गई, जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। इस दौरान तीन एसओजी जवान भी घायल हुए।

घायलों को पहले भद्रवाह के उप-जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें बेहतर इलाज के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज, डोडा रेफर किया गया। अधिकारियों के अनुसार, घायल युवक की पहचान चीका गांव निवासी 30 वर्षीय आरिफ हुसैन के रूप में हुई, जिसकी उपचार के दौरान मौत हो गई।

घटना के बाद भद्रवाह शहर में एहतियात के तौर पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) और पुलिस बल की अतिरिक्त तैनाती की गई है। वहीं, सेना ने जाई क्षेत्र में व्यापक तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। मामले की जांच जारी है।

अनुराग कुमार बनाए गए दिल्ली के नए पुलिस कमिश्नर, संभालेंगे सतीश गोलचा की जगह

नई दिल्ली(आरएनएस)। इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के पूर्व विशेष निदेशक अनुराग कुमार को दिल्ली पुलिस का नया कमिश्नर नियुक्त किया गया है। केंद्र सरकार ने सतीश गोलचा की रिटायरमेंट से पहले ही उन्हें पद से हटाते हुए अनुराग कुमार को कार्यभार सौंपा है। एक आधिकारिक आदेश में कहा गया, सक्षम अधिकारी की मंजूरी से, 1994 बैच के आईपीएस अनुराग कुमार को पद संभालने की तारीख से और अगले आदेश तक दिल्ली का पुलिस कमिश्नर नियुक्त किया जाता है। आईपीएस अनुराग कुमार की नियुक्ति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) की ओर से उन्हें इंटेलिजेंस ब्यूरो से उनके मूल कैडर में वापस भेजने के बाद हुई है। भारत की प्रमुख एजेंसी खुफिया ब्यूरो में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा, आतंकवाद-रोधी रणनीति, खुफिया जानकारी जुटाने और उसके विश्लेषण समेत अन्य संवेदनशील सुरक्षा मामलों से संबंधित कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभालीं।

इंजीनियरिंग ग्रेजुएट अनुराग कुमार को पुलिसिंग में उनकी बेहतरीन सेवा के लिए कुछ सर्वोच्च सम्मानों से नवाजा जा चुका है। उन्हें 2010 में सराहनीय सेवा के लिए पुलिस मेडल और बाद में 2016 में फोर्स में उनके असाधारण योगदान के लिए विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस मेडल से सम्मानित किया गया।

दिल्ली पुलिस के प्रमुख के तौर पर अनुराग कुमार पर राष्ट्रीय राजधानी में सुरक्षा और कानून-व्यवस्था के प्रबंधन की जिम्मेदारी होगी। राष्ट्रीय राजधानी में संसद, राष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री कार्यालय, सुप्रीम कोर्ट और कई विदेशी दूतावासों सहित देश के प्रमुख संवैधानिक और प्रशासनिक संस्थान स्थित हैं।

जग्गू भगवानपुरिया गैंग का गैंगस्टर नीतीश कौशल पकड़ा गया, अमेरिका ने 2 दिन पहले ही मोस्ट वांटेड लिस्ट में किया था शामिल

नई दिल्ली(आरएनएस)। अमेरिकी जांच एजेंसी FBI ने जग्गू भगवानपुरिया गैंग से जुड़े गैंगस्टर नीतीश कौशल को अमेरिका के वर्मोंट से गिरफ्तार कर लिया है। खास बात यह है कि FBI ने महज दो दिन पहले ही उसे अपनी मोस्ट वांटेड सूची में शामिल किया था। गिरफ्तारी अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध सिंडिकेट के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन हार्ड बॉल') के तहत की गई है। FBI के अनुसार, नीतीश कौशल पर अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध सिंडिकेट का सक्रिय सदस्य होने का आरोप है। जांच एजेंसी का दावा है कि वह हत्या, ड्रग तस्करी, रंगदारी, अपहरण, हथियारों की तस्करी, हवाला और मानव तस्करी जैसे गंभीर अपराधों में शामिल रहा है। जांच एजेंसियों के मुताबिक, जग्गू भगवानपुरिया गैंग की जड़ें पंजाब से जुड़ी हैं, जबकि इसका नेटवर्क अमेरिका के कैलिफोर्निया समेत कई देशों तक फैला हुआ है। आरोप है कि नीतीश कौशल ने गैंग के लिए अपहरण, हमलों और अन्य हिंसक वारदातों को अंजाम दिया।

25 जून को कैलिफोर्निया के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट की फेडरल कोर्ट ने नीतीश कौशल के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। उसके खिलाफ Racketeer Influenced and Corrupt Organizations (RICO) Conspiracy के तहत मामला दर्ज किया गया था। FBI का 'ऑपरेशन हार्ड बॉल' अमेरिका, कनाडा और यूरोप में फैले अंतरराष्ट्रीय अपराध नेटवर्क के खिलाफ चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत 50 से अधिक स्थानों पर छापेमारी की गई है। कार्रवाई के दौरान भारी मात्रा में प्रतिबंधित सामान और मादक पदार्थ जब्त किए गए हैं। FBI के निशाने पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग, जग्गू भगवानपुरिया गैंग और गोल्डी बराड़ से जुड़े नेटवर्क भी हैं। एजेंसी इन संगठित अपराध सिंडिकेटों के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए लगातार अभियान चला रही है।अमेरिका की ग्रैंड ज्यूरी पहले ही अमेरिका, कनाडा, मेक्सिको और भारत तक फैले कथित अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध नेटवर्क का खुलासा कर चुकी है। चार्जशीट में जग्गू भगवानपुरिया और उसके सहयोगियों पर अवैध हथियारों की तस्करी, रंगदारी, हत्या की साजिश और ड्रग तस्करी जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। जांच एजेंसियां पहले भी अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में फैले इस गैंग के ड्रग तस्करी नेटवर्क को लेकर कई बड़े खुलासे कर चुकी हैं।

भारत नहीं पहुंचा कोर्ट, फिर भी भरना पड़ रहा उसका खर्च! सिंधु जल विवाद में पाकिस्तान पर बढ़ा करोड़ों का बोझ

नई दिल्ली, (आरएनएस)। सिंधु जल संधि को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच जारी विवाद एक बार फिर सुर्खियों में है। इस बार चर्चा का कारण अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता की वह प्रक्रिया है, जिसमें भारत की अनुपस्थिति के बावजूद पाकिस्तान को न केवल अपना, बल्कि भारत के हिस्से का खर्च भी वहन करना पड़ रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अब तक पाकिस्तान इस प्रक्रिया पर 6 लाख डॉलर (करीब 5.77 करोड़ रुपये) से अधिक खर्च कर चुका है।

कैसे शुरू हुआ विवाद?

सिंधु जल संधि वर्ष 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुई थी, जिसके तहत दोनों देशों के बीच सिंधु नदी प्रणाली के जल बंटवारे के नियम तय किए गए। विवाद की शुरुआत 2016 में हुई, जब भारत ने जम्मू-कश्मीर में किशनगंगा जलविद्युत परियोजना पर काम तेज किया और चिनाब नदी पर रैटल हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट की घोषणा की। पाकिस्तान ने इन परियोजनाओं के डिजाइन पर आपत्ति जताते हुए दावा किया कि वे संधि के प्रावधानों का उल्लंघन करते हैं। भारत का रुख था कि ऐसे तकनीकी विवाद का समाधान संधि के तहत नियुक्त न्यूट्रल एक्सपर्ट के जरिए होना चाहिए, जबकि पाकिस्तान ने मामला सीधे पर्मानेंट कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन (PCA) में पहुंचा दिया। इसके बाद दोनों प्रक्रियाएं समानांतर रूप से चलने लगीं, जिसका भारत ने लगातार विरोध किया।

भारत ने क्यों बनाया दूरी?

भारत का कहना है कि एक ही विवाद पर दो समानांतर प्रक्रियाएं नहीं चल सकतीं और PCA को इस मामले की सुनवाई का अधिकार नहीं है। इसी वजह से भारत ने 2023 से PCA की कार्यवाही में हिस्सा लेना बंद कर दिया।

इसके बाद 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित करने का फैसला किया और न्यूट्रल एक्सपर्ट की प्रक्रिया से भी दूरी बना ली। भारत का स्पष्ट रुख है कि वह फिलहाल इस विवाद से जुड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रक्रियाओं में शामिल नहीं होगा।

पाकिस्तान क्यों उठा रहा भारत का खर्च?

भारत के बहिष्कार के बावजूद पाकिस्तान ने PCA में सुनवाई जारी रखी। जून 2025 में अदालत ने खुद को इस मामले की सुनवाई के लिए सक्षम बताया और कहा कि सिंधु जल संधि को एकतरफा स्थगित नहीं किया जा सकता। इसके बाद भी भारत ने किसी भी सुनवाई में भाग नहीं लिया।

अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता की कार्यवाही का खर्च सामान्यत: दोनों पक्षों द्वारा साझा किया जाता है।

लेकिन भारत की गैरमौजूदगी और फीस जमा नहीं करने के कारण पाकिस्तान को पूरी प्रक्रिया का खर्च उठाना पड़ रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, अब तक पाकिस्तान 6 लाख डॉलर से अधिक खर्च कर चुका है, जिसमें भारत के हिस्से का भुगतान भी शामिल है। भारत का कहना है कि वह PCA की वैधता को स्वीकार नहीं करता, जबकि पाकिस्तान इस मंच के जरिए अपने दावों को आगे बढ़ाने में जुटा है। ऐसे में सिंधु जल संधि को लेकर दोनों देशों के बीच कानूनी और कूटनीतिक टकराव अभी जारी रहने के संकेत हैं।

मानसूनी बारिश के बीच धान की रोपाई में जुटे किसान खरीफ सीजन की शुरुआत पूरे उत्साह के साथ कर रहे हैं। भरपूर एवं समृद्ध फसल की उम्मीद के साथ किसान खेती की सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया को गति दे रहे हैं। खरीफ सीजन की रौनक गांवों में लौट आई है।

गुजरात एटीएस का बड़ा एक्शन : जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े 5 और संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार, स्लीपर सेल नेटवर्क की जांच तेज

अहमदाबाद ,(आरएनएस)। गुजरात आतंकवाद निरोधी दस्ता (ATS) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (JeM) से कथित तौर पर जुड़े पांच और संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों के अनुसार, इनकी गिरफ्तारी राज्य के विभिन्न जिलों में चलाए गए अभियान के दौरान की गई।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बिलाल आबिद शेरा, मोहम्मद अयूब काडीवाल उर्फ मोहम्मद खड़ियासन, मोहम्मद शफी मुखी उर्फ शफी चापी, मोहम्मद हसन क. राडिया उर्फ हसन हैदरपुरी और मोहम्मद अयूब सुमासरा उर्फ मोहम्मद खली के रूप में हुई है।एटीएस के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए इन पांचों संदिग्धों के तार पिछले महीने गिरफ्तार किए गए आठ अन्य आरोपियों से जुड़े पाए गए हैं। जांच एजेंसियां इनकी भूमिका और आपसी संपर्कों की गहन जांच कर रही हैं।गुजरात ATS का कहना है कि जैश-ए-मोहम्मद लंबे समय से गुजरात में अपना नेटवर्क और कथित स्लीपर सेल तैयार करने की कोशिश कर रहा था। एजेंसी इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या राज्य के कुछ लोगों को संगठन से जोड़कर उसकी गतिविधियों को विस्तार देने का प्रयास किया गया।एटीएस के पुलिस उपाधीक्षक हर्ष उपाध्याय ने बताया कि पहले गिरफ्तार किए गए आठ आरोपियों से पूछताछ के दौरान मिले इनपुट के आधार पर इन पांच संदिग्धों को हिरासत में लिया गया ।

प्रधानमंत्री मोदी के ग्रीन मोबिलिटी विजन को दर्शाती है स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन- पीयूष गोयल

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को भारत की पहली स्वदेशी हाइड्रोजन संचालित ट्रेन के शुभारंभ को देश की हरित परिवहन (ग्रीन मोबिलिटी) यात्रा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि यह पहल स्वच्छ, टिकाऊ और आत्मनिर्भर परिवहन व्यवस्था की दिशा में भारत के बढ़ते कदमों को दर्शाती है।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 卐भारत के ग्रीन मोबिलिटी भविष्य के लिए सचमुच एक ऐतिहासिक क्षण। आज, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जींद-सोनीपत रूट पर भारत की पहली स्वदेशी हाइड्रोजन-संचालित ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। 1200 किलोवाट के हाइड्रोजन फ्यूल सेल प्रोपल्शन सिस्टम से चलने वाली और सिर्फ पानी की भाप छोड़ने वाली यह 10-कोच वाली इंजीनियरिंग की अद्भुत मिसाल है। यह 'आत्मनिर्भर भारत' और एक साफ-सुथरे, हरे-भरे भविष्य की दिशा में एक बहुत बड़ा कदम है।卐

उन्होंने लिखा, 卐प्रधानमंत्री मोदी के इनोवेशन-आधारित, नेट-जीरो ग्रोथ के विजन से प्रेरित और जींद में विकसित स्वदेशी हाइड्रोजन स्टोरेज व रीफ्यूलिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के सहयोग से भारत गर्व के साथ उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है जो टिकाऊ रेल परिवहन के क्षेत्र में नई पहल कर रहे हैं और क्लीन मोबिलिटी में नए मानक स्थापित कर रहे हैं।卐

देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन शुरू में नॉर्दर्न रेलवे के 89 किलोमीटर लंबे जींद-सोनीपत सेक्शन पर चलेगी। यह भारत में ही डिजाइन, इंजीनियरिंग और एकीकृत की गई है। इसे स्वदेशी तकनीक का उपयोग करके बनाया गया, जो उन्नत रेलवे इंजीनियरिंग में देश की बढ़ती क्षमताओं को दर्शाती है। इसके साथ ही, भारत उन चुनिंदा देशों के समूह में शामिल हो जाएगा जिनके पास हाइड्रोजन-चालित ट्रेनें परिचालन में हैं।

कांग्रेस पंजाब विधानसभा चुनाव को लेकर पूरी तरह तैयार है : गुरजीत औजला

नई दिल्ली (ए.)। पंजाब कांग्रेस ने आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियां तेज़ कर दी हैं। पार्टी ने चुनाव आयोग को बूथ लेवल एजेंट (BLA-1 और BLA-2) की सूची सौंप दी है तथा बूथ और ब्लॉक स्तर पर संगठन को सक्रिय करने का अभियान तेजी से चल रहा है। यह जानकारी अमृतसर से कांग्रेस सांसद गुरजीत सिंह औजला ने नई दिल्ली में दी। औजला ने कहा कि कांग्रेस पंजाब विधानसभा चुनाव को लेकर पूरी तरह तैयार है और संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि चुनाव आयोग को BLA-1 और BLA-2 की सूची सौंप दी गई है, जिससे मतदाता सूची से जुड़े कार्यों और चुनावी तैयारियों को मजबूती मिलेगी। प्रदेश नेतृत्व को लेकर पूछे गए सवाल पर औजला ने कहा कि कांग्रेस हाईकमान जो भी निर्णय करेगा, सभी नेता उसे स्वीकार करेंगे। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी चुनाव अभियान समिति (कैंपेन कमेटी) के अध्यक्ष हैं, जबकि अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के रूप में अपनी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। पार्टी पूरी एकजुटता के साथ चुनावी मैदान में उतरेगी।इस दौरान औजला ने प्रधानमंत्री से मुलाकात कर पंजाब के सीमावर्ती जिलों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर एक मांग-पत्र भी सौंपा। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों के लिए विशेष विकास पैकेज की मांग करते हुए कहा कि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद प्रधानमंत्री का यह पंजाब का तीसरा दौरा है, लेकिन सीमा क्षेत्र अब भी बड़े विकास पैकेज का इंतजार कर रहा है।औजला ने कहा कि पाकिस्तान सीमा से ड्रोन के माध्यम से हो रही नशे और हथियारों की तस्करी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी है।

शामली से योगी का विपक्ष पर तीखा वार, बोले- जिन्ना के उपासक विकास और विरासत के विरोधी

शामली, (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को शामली में 581 करोड़ रुपये की लागत वाली 89 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए दोनों दलों को जिन्ना का उपासक बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में वर्ष 2017 से पहले विकास कार्य ठप थे, बिजली, सुरक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाएं बदहाल थीं, लेकिन डबल इंजन सरकार ने उत्तर प्रदेश की तस्वीर और तकदीर बदल दी है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि कभी आतंक, पलायन और गुंडागर्दी के लिए चर्चा में रहने वाला शामली आज विकास का नया केंद्र बन चुका है। उन्होंने कहा कि दिल्ली-देहरादून, शामली-अंबाला और प्रस्तावित शामली-गोरखपुर एक्सप्रेसवे के संगम के कारण यह जिला भविष्य में पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) का महत्वपूर्ण विकास केंद्र बनेगा।

अवैध बांग्लादेशी-रोहिंग्या नेटवर्क पर ईडी की बड़ी कार्रवाई, पांच राज्यों में छापे; नकदी और सोना बरामद

नई दिल्ली,(आरएनएस)। प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिकों को भारत में बसाने से जुड़े कथित नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र में एक साथ छापेमारी की। एजेंसी का दावा है कि यह नेटवर्क विदेशों से प्राप्त धन का इस्तेमाल कथित तौर पर फर्जी दस्तावेज तैयार कराने, अवैध घुसपैठियों को देश के विभिन्न हिस्सों में बसाने और उनकी आजीविका की व्यवस्था करने में कर रहा था। जांच एजेंसी को इस नेटवर्क के तार आतंकी फंडिंग से जुड़े होने का भी संदेह है, जिसकी जांच जारी है।

ईडी के अनुसार, छापेमारी के दौरान पश्चिम बंगाल के कलिकापुर स्थित हरोरा अल-जामियातुल इस्लामिया दारुल उलूम से 40 लाख रुपये नकद और 180 ग्राम सोने के सिक्के बरामद किए गए। धनशोधन निवारण अधिनियम (PML) के तहत उत्तर प्रदेश के सहारनपुर (देवबंद), दिल्ली के जामिया नगर, हरियाणा के बल्लभगढ़, पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना, उत्तर 24 परगना और मुर्शिदाबाद तथा महाराष्ट्र के रायगढ़ सहित 13 स्थानों पर एक साथ कार्रवाई की गई।

जांच के दौरान ईडी ने कई दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, एजेंसी ऐसे कथित गिरोह की जांच कर रही है, जो विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (FCR) के तहत पंजीकृत कुछ ट्रस्टों और स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से काम कर रहा था।

ईडी कुछ ट्रस्टों, स्वयंसेवी संस्थाओं और शैक्षणिक संस्थानों से जुड़े वित्तीय लेन-देन की भी जांच कर रही है। एजेंसी को संदेह है कि कुछ संस्थाओं के जरिए छोटी-छोटी किस्तों में बड़ी रकम का लेन-देन किया गया। कई बैंक खातों और कथित रेंट अकाउंट के इस्तेमाल की भी जांच की जा रही है।

यह कार्रवाई वर्ष 2024 में दर्ज उस मामले पर आधारित है, जिसे उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधक दस्ता (PATS) ने दर्ज किया था। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि एक संगठित गिरोह रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों को भारत में अवैध रूप से प्रवेश दिलाने, उनके लिए आधार, पैन और पासपोर्ट जैसे फर्जी पहचान दस्तावेज तैयार कराने तथा उन्हें देश के विभिन्न हिस्सों में बसाने में मदद कर रहा था।

ईडी के मुताबिक, जांच में सामने आया है कि संदिग्धों को भारत में बसाने के लिए 6 हजार, 8 हजार और 10 हजार रुपये जैसी छोटी-छोटी किस्तों में धनराशि भेजी गई। एजेंसी का कहना है कि विदेशी चंदे, बैंक खातों, बिचौलियों और जटिल वित्तीय लेन-देन के जरिए धन के प्रवाह की विस्तृत जांच की जा रही है।

पीएम मोदी का हाथ से लिखा 'वंदे मातरम' पोस्टकार्ड लेकर अंतरिक्ष की उड़ान भरेगा विक्रम-1

नई दिल्ली ,,(आरएनएस)। प्राइवेट स्पेस स्टार्टअप स्काईरूट एयरोस्पेस ने शुक्रवार को घोषणा की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हाथ से लिखा पोस्टकार्ड, जिस पर 'वंदे मातरम' लिखा है, 18 जुलाई को कंपनी की विक्रम-1 टेस्ट फ्लाइट-1 के जरिए अंतरिक्ष में भेजा जाएगा।

प्राइवेट स्पेस स्टार्टअप स्काईरूट एयरोस्पेस ने शुक्रवार को घोषणा की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हाथ से लिखा पोस्टकार्ड, जिस पर 'वंदे मातरम' लिखा है, 18 जुलाई को कंपनी की विक्रम-1 टेस्ट फ्लाइट-1 के जरिए अंतरिक्ष में भेजा जाएगा।सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में स्काईरूट एयरोस्पेस ने कहा कि इस मिशन में ले जाए जाने वाले खास पेलोड में पीएम मोदी का हाथ से लिखा संदेश भी शामिल होगा। इसके साथ ही, कंपनी की टीम, निवेशकों, नीति-निर्माताओं और दुनिया भर के शुभचिंतकों के हाथ से लिखे नोट भी इसमें शामिल होंगे।कंपनी ने कहा, विक्रम-1 टेस्ट फ्लाइट-1 पर ले जाए जा रहे पेलोड में एक बहुत ही खास चीज है, पीएम मोदी का हाथ से लिखा पोस्टकार्ड, जिस पर 'वंदे मातरम' लिखा है।स्काईरूट के अनुसार, ये यादगार चीजें 'मिशन आगमन' का हिस्सा हैं, जिसे कंपनी ने कई हाथों से आगे बढ़ाया गया और लाखों लोगों द्वारा साझा किया गया एक उत्सव बताया है।कंपनी ने कहा कि हाथ से लिखे ये संदेश भारत के बढ़ते प्राइवेट स्पेस इकोसिस्टम के लिए सामूहिक समर्थन का प्रतीक हैं और विक्रम-1 मिशन के साथ अंतरिक्ष में जाएंगे।यादगार चीजों के अलावा, विक्रम-1 में कॉस्मोसर्व, डी-क्यूब्ड और स्काईरूट के अपने स्कोप से टेक्नोलॉजी डेमोंस्ट्रेशन पेलोड ले जाए जाएंगे। साथ ही, इसमें कॉसमॉस डायमंड्स का बनाया आर्टवर्क 'कॉस्मिक ब्लूम' और एक माइक्रो-आर्ट पेलोड भी होगा।

न्यूजीलैंड में एच5एन1 वायरल की दस्तक, यह जंगली जीवों में फैली तो रोकना मुश्किल

- वायरस पक्षियों से इंसानों में फैल सकता है, ऐसे मामले बहुत कम होते हैं

वेलिंगटन,(ए.)। एक सीनियर वेटेरिनरी अधिकारी ने बताया कि गुरुवार को न्यूजीलैंड में एक जंगली समुद्री पक्षी

में एच5एन1 एवियन इन्फ्लूएंजा का नया स्ट्रेन मिलने के बाद, इसके कुछ ही महीनों में देश में स्थानिक बीमारी बनने की संभावना है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मिनिस्ट्री फॉर प्राइमरी इंडस्ट्रीज की चीफ वेटेरिनरी ऑफिसर ने बताया कि अगर यह वायरस जंगली जीवों में फैल गया, तो इसे खत्म करना मुश्किल होगा। वेलिंगटन के पेटोन बीच पर मिले एक समुद्री पक्षी में एच5 वायरस की पुष्टि हुई है। यह दुनिया भर में जंगली पक्षियों के बीच फैले इस वायरस का न्यूजीलैंड में पहला मामला है। रिपोर्ट के मुताबिक ऑकलैंड यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज की प्रोफेसर ने कहा कि न्यूजीलैंड का अलग-थलग होना इस जानलेवा बर्ड वायरस को नहीं रोक पाएगा। उन्होंने कहा कि हालांकि अभी जंगली जीवों की बड़े पैमाने पर मौत या न्यूजीलैंड के पक्षियों के बीच इसके फैलने का कोई सबूत नहीं है, लेकिन समय के साथ एच5एन1 के यहां फैलने की संभावना है।

ईरान के बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका-चीन आमने-सामने, अंतर्राष्ट्रीय समुदाय भी चिंतित

- कई मामलों में दोनों एक-दूसरे से टकराते दिखाई देते हैं, खुली सैन्य भिड़ंत से बचते भी हैं

वाशिंगटन,(ए.)। पश्चिम एशिया में ईरान से जुड़े बढ़ते तनाव ने एक बार फिर वैश्विक शक्तियों अमेरिका और चीन के बीच रणनीतिक प्रतिस्पर्धा को तेज कर दी है। खाड़ी क्षेत्र में बढ़ती सैन्य गतिविधियों, समुद्री सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं और ऊर्जा आपूर्ति पर संभावित असर ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चिंता बढ़ा दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा हालात गंभीर जरूर हैं, लेकिन इन्हें फिलहाल तीसरे विश्व युद्ध की शुरुआत कहना जल्दबाजी होगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका लंबे समय से खाड़ी क्षेत्र में अपनी सैन्य मौजूदगी बनाए हुए है और उसका कहना है कि वह समुद्री व्यापार मार्गों की सुरक्षा तथा अपने सहयोगी देशों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। दूसरी ओर चीन पश्चिम एशिया से बड़े पैमाने पर कच्चे तेल का आयात करता है और क्षेत्र में स्थिरता को अपनी ऊर्जा सुरक्षा तथा आर्थिक हितों के लिए बेहद अहम मानता है। यही कारण है कि दोनों महाशक्तियां इस संकट पर अलग-अलग रणनीतियां अपनाती नजर आ रही हैं।

विशेषज्ञों के मुताबिक चीन अब पश्चिम एशिया में अपनी आर्थिक और कूटनीतिक भूमिका लगातार बढ़ा रहा है। ईरान के साथ उसके दीर्घकालिक आर्थिक सहयोग समझौते और ऊर्जा संबंध इस क्षेत्र में उसकी रणनीतिक मौजूदगी को मजबूत करते हैं। वहीं अमेरिका के सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर और अन्य सहयोगी देशों के साथ लंबे समय से सुरक्षा संबंध हैं। इस कारण दोनों देशों के हित कई मामलों में एक-दूसरे से टकराते दिखाई देते हैं, हालांकि दोनों ही खुली सैन्य भिड़ंत से बचने की कोशिश करते रहे हैं।

रक्षा मामलों के जानकारों का कहना है कि वर्तमान स्थिति को अमेरिका और चीन के बीच प्रत्यक्ष युद्ध के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। दोनों देश वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हैं और किसी बड़े युद्ध की कीमत दोनों को भारी पड़ सकती है। इसलिए कूटनीतिक दबाव, आर्थिक प्रतिबंध, सैन्य तैनाती और क्षेत्रीय सहयोगियों के माध्यम से प्रभाव बढ़ाने की रणनीति अधिक संभावित मानी जा रही है।

विश्लेषकों का मानना है कि खाड़ी क्षेत्र में जारी संकट निश्चित रूप से अंतरराष्ट्रीय राजनीति के लिए गंभीर चुनौती है, लेकिन इसके विश्व युद्ध में बदलने की संभावना सीमित है। यदि क्षेत्रीय संघर्ष नियंत्रण से बाहर होता है और कई देशों की सेनाएं सीधे इसमें शामिल हो जाती हैं, तभी व्यापक वैश्विक टकराव का खतरा बढ़ सकता है। फिलहाल दुनिया की निगाहें कूटनीतिक प्रयासों पर टिकी हैं, क्योंकि किसी भी बड़े सैन्य संघर्ष का असर ऊर्जा बाजार, वैश्विक व्यापार और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा व्यवस्था पर दूरगामी हो सकता है।

बगावत के बीच पाकिस्तान की बढ़ी मुश्किलें, गिलगित-बाल्टिस्तान को अलग राज्य बनाने का प्रस्ताव पारित

इस्लामाबाद (ए.)। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में हो रहे विरोध प्रदर्शन के बीच गिलगित-बाल्टिस्तान विधानसभा ने पाकिस्तान की केंद्र सरकार से एक खास मांग की है। इस नई मांग से पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। दरअसल, विधानसभा ने इस पहाड़ी क्षेत्र को अस्थायी प्रांत का दर्जा देने के लिए सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पास

किया है। इस प्रस्ताव में क्षेत्र के लोगों को संवैधानिक और राजनीतिक अधिकार देने की मांग की गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, गुरुवार को विधानसभा सत्र में विधायक जलाल अली शाह ने यह प्रस्ताव पेश किया था। इस प्रस्ताव को सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के सदस्यों ने अपना पूरा समर्थन दिया।

पुराने आदेशों और कमेटी की सिफारिशों का हवाला

प्रस्ताव में कहा गया है कि साल 2009 के 'गिलगित-बाल्टिस्तान सशक्तिकरण और स्वशासन आदेश' ने यहां एक चुनी हुई विधानसभा बनाई थी। इससे स्वशासन को बढ़ावा मिला था। इसके बाद, साल 2018 के आदेश ने विधानसभा को कानून बनाने के अधिकार दिए। यह फैसला दिवंगत नेता सरताज अजीज की अध्यक्षता वाली कमेटी की सिफारिशों पर लिया गया था। अब विधानसभा ने केंद्र सरकार से मांग की है कि वह इस कमेटी की सिफारिशों को लागू करे। इससे यहां के लोगों को पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में अपने प्रतिनिधि चुनने और संघीय स्तर पर प्रतिनिधित्व पाने का मौका मिलेगा।

भारत का कड़ा रुख

दूसरी तरफ, भारत इस मामले पर हमेशा से अपना रुख साफ रखता आया है। भारत का कहना है कि गिलगित-बाल्टिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) सहित पूरा जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत का अभिन्न हिस्सा हैं। नई दिल्ली ने पाकिस्तान के इस क्षेत्र की स्थिति बदलने के प्रयासों को हमेशा खारिज किया है। भारत का कहना है कि पाकिस्तान के ऐसे कदमों का कोई कानूनी आधार नहीं है और इससे जमीनी हकीकत नहीं बदल सकती।

बलूचिस्तान के गुस्से की आग में जल रहा पाकिस्तान, BLA के हमले में अब 45 जवानों के मारे जाने का दावा

क्वेटा (ए.)। बलूचिस्तान के मस्तंग जिले में पाकिस्तानी सैन्य काफिले को निशाना बनाकर किए गए है। इस हमले की जिम्मेदारी बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने ली है। इसके साथ ही दावा किया है कि इस ऑपरेशन के दौरान 45 से अधिक सुरक्षाकर्मी मारे गए हैं। वहीं, दर्जनों घायल हुए।

बीएलए के प्रवक्ता ने क्या बताया?

एक बयान में, बीएलए के प्रवक्ता जीयांद बलूच ने कहा कि यह हमला गुरुवार को मस्तुंग के खडकुचा इलाके में सशस्त्र समूह की फतह स्क्वाड इकाई द्वारा किया गया था। इसे समन्वित और तीव्र बताया। उन्होंने कहा कि सशस्त्र समूह ने कब्जा करने वाली पाकिस्तानी सेना के कर्मियों, उनके सुरक्षाकर्मियों और बाद में घटनास्थल पर पहुंचे सैन्य सुदृढीकरण को ले जा रहे बसों के काफिले पर हमला किया।

हताहतों की संख्या बढ़ सकती है

बयान में कहा गया है 'अब तक प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, इस अभियान में कब्ज़ा करने वाली सेना के 45 से अधिक जवान मारे गए

हैं और दर्जनों अन्य घायल हुए हैं। युद्धक्षेत्र की ताजा स्थिति को देखते हुए, हताहतों की संख्या में और भी असाधारण वृद्धि होने की प्रबल संभावना है।

पाकिस्तानी अधिकारियों ने कथित तौर पर इस बात की पुष्टि की कि काफिले पर हमला हुआ था, लेकिन उन्होंने हताहतों की संख्या के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। स्थानीय सूत्रों का हवाला देते हुए, बलूचिस्तान पोस्ट ने बताया कि गुरुवार को मस्तुंग के खडकुचा इलाके में पाकिस्तानी सेना द्वारा कथित तौर पर गोलीबारी करने के बाद दो लोग मारे गए और चार बच्चों सहित 11 अन्य घायल हो गए।

सैन्य काफिले पर बढ़ते हमले

सैन्य काफिले पर हुए हमले के बाद बढ़े तनाव के बीच यह घटना घटी। इस महीने की शुरुआत में, बलूचिस्तान के ग्वादर जिले के जिवानी क्षेत्र में पाकिस्तान तटरक्षक बल के एक शिविर पर हुए हमले की जिम्मेदारी बीएलए ने ली थी, जिसके परिणामस्वरूप 30 से अधिक सुरक्षाकर्मी मारे गए और कई अन्य घायल हो गए।

एक बयान में, बीएलए के प्रवक्ता जीयंद बलूच ने कहा कि यह हमला जिवानी के पनवान इलाके में हुआ, जहां समूह के मजीद ब्रिगेड के एक सदस्य ने विस्फोटक से भरी माजदा गाड़ी को तटरक्षक शिविर में घुसा दिया और उसमें विस्फोट कर दिया। बयान में कहा गया है, 'इस शक्तिशाली विस्फोट के परिणामस्वरूप, तटरक्षक बल का किलेबंद औपनिवेशिक शिविर पूरी तरह से मलबे के ढेर में बदल गया।'

फीचर

वास्तविक ताकत कभी दिखावे में नहीं होती : हुमा कुरैशी

मुंबई (ए.)। वास्तविक ताकत कभी दिखावे में नहीं होती, बल्कि धैर्य, प्रेम, संवेदनशीलता और बिना किसी अपेक्षा के दूसरों का साथ देने में होती है। ताजा पोस्ट में बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने अपनी मां के द्वारा दिया गया यह भावुक संदेश शेयर किया है। उन्होंने बताया कि उनकी मां ने उन्हें जीवन का यह सबसे महत्वपूर्ण सबक सिखाया है। अभिनेत्री ने कहा कि यही सीख आज भी उनके जीवन का आधार है और हर निर्णय में उनका मार्गदर्शन करती है। हुमा कुरैशी हाल ही में एक पेड़ मां के नाम अभियान से जुड़ीं और अपनी मां के सम्मान में एक पौधा लगाया। इस अवसर की तस्वीरें उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा करते हुए लिखा कि यह केवल पौधारोपण नहीं, बल्कि अपनी मां के प्रति आभार व्यक्त करने का एक भावनात्मक माध्यम है। उन्होंने कहा कि मां के नाम लगाया गया यह पौधा समय के साथ बढ़ेगा और उनके प्रति प्रेम तथा सम्मान का प्रतीक बना रहेगा। अपने संदेश में उन्होंने लिखा कि उनके जीवन की सबसे मजबूत महिला उनकी मां हैं, जिन्होंने उन्हें सिखाया कि सच्ची शक्ति शांत स्वभाव, धैर्य और निस्वार्थ भाव से दूसरों के लिए समर्पित रहने में होती है। यही कारण है कि यह अभियान उनके दिल के बेहद करीब है।

अभिनेत्री ने आगे लिखा कि कभी-कभी धन्यवाद जैसे शब्द भी मां के प्रति अपनी भावनाओं को पूरी तरह व्यक्त करने के लिए पर्याप्त नहीं होते। ऐसे में मां के नाम एक पौधा लगाना ऐसा उपहार है, जो हर मौसम के साथ बढ़ता है और प्रकृति के माध्यम से प्रेम तथा कृतज्ञता का संदेश देता रहता है। उनके अनुसार, यह पहल केवल पर्यावरण संरक्षण का अभियान नहीं, बल्कि भावनात्मक रिश्तों को प्रकृति से जोड़ने का भी माध्यम है। हुमा कुरैशी ने पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि इस मानसून के दौरान उत्तर प्रदेश में बड़े स्तर पर पौधारोपण अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत 35 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

उन्होंने कहा कि हरियाली बढ़ाने के साथ-साथ स्वच्छ नदियों का संरक्षण, सौर ऊर्जा को बढ़ावा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को प्रोत्साहन और किसानों को हरित पहल से जोड़ना भी पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। अभिनेत्री ने लोगों से अपील की कि वे अपनी मां के नाम एक पौधा अवश्य लगाएं और उसकी देखभाल उसी समर्पण के साथ करें, जिस तरह एक मां अपने बच्चों का पालन-पोषण करती है। उनका मानना है कि प्रकृति और मातृत्व, दोनों जीवन देने और उसे संवारने का कार्य करते हैं, इसलिए दोनों का सम्मान करना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। गौरतलब है कि एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पर्यावरण संरक्षण और लोगों को प्रकृति से जोड़ने के उद्देश्य से की थी। इस पहल के माध्यम से लोगों को अपनी मां के सम्मान में पौधारोपण करने और पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

प्रियंका चोपड़ा और लारा दत्ता फिर नजर आईं एकसाथ

मुंबई (ए.)। बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्रियां प्रियंका चोपड़ा और लारा दत्ता की हालिया मुलाकात की तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं। सोशल मीडिया पर लारा दत्ता ने इस खास मुलाकात की झलक साझा करते हुए बताया कि समय बीतने के बावजूद उनकी दोस्ती आज भी पहले जैसी मजबूत और आत्मीय बनी हुई है। इन तस्वीरों ने उनकी करीब 26 साल पुरानी दोस्ती की यादें ताजा कर दी हैं। लारा दत्ता ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर प्रियंका चोपड़ा के साथ एक तस्वीर साझा की, जिसमें दोनों मुस्कुराते हुए कैमरे के सामने पोज देती नजर आ रही हैं। तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, 26 साल बाद भी, खुश लड़कियां अभी भी और दिल वाला इमोजी भी साझा किया। वहीं प्रियंका चोपड़ा ने भी अपनी सोशल मीडिया स्टोरी पर यही तस्वीर साझा करते हुए लिखा, अपनी लड़की से मिलकर बहुत अच्छा लगा। दोनों के संदेशों ने उनके बीच गहरे रिश्ते और वर्षों पुरानी दोस्ती की झलक दिखाई।

तस्वीरों में प्रियंका चोपड़ा सफेद रंग की आकर्षक पोशाक में नजर आईं, जबकि लारा दत्ता नीले रंग की ड्रेस, सफेद श्रग और हैट में दिखाई दीं। दोनों का स्टाइलिश अंदाज भी प्रशंसकों को खूब पसंद आया।

सोशल मीडिया पर फैंस ने उनकी तस्वीरों पर बड़ी संख्या में प्रतिक्रिया देते हुए उनकी दोस्ती की सराहना की। कई लोगों ने लिखा कि समय बदल सकता है, लेकिन सच्ची दोस्ती हमेशा कायम रहती है। प्रियंका चोपड़ा और लारा दत्ता की दोस्ती की शुरुआत वर्ष 2000 से मानी जाती है, जब दोनों ने अंतरराष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिताओं में भारत का नाम रोशन किया था। प्रियंका चोपड़ा ने उसी वर्ष मिस वर्ल्ड का खिताब जीता था, जबकि लारा दत्ता मिस यूनिवर्स बनी थीं। इन उपलब्धियों के बाद दोनों ने बॉलीवुड में कदम रखा और अपनी प्रतिभा तथा मेहनत के दम पर फिल्म उद्योग में अलग पहचान बनाई।

दोनों अभिनेत्रियां फिल्मों में भी साथ काम कर चुकी हैं। वर्ष 2003 में रिलीज हुई फिल्म अंदाज में दोनों पहली बार एक साथ बड़े पर्दे पर दिखाई दीं। इस फिल्म में अक्षय कुमार भी मुख्य भूमिका में थे और यह फिल्म प्रियंका तथा लारा, दोनों के शुरुआती करियर के लिए अहम साबित हुई। इसके बाद वर्ष 2011 में दोनों फिल्म डॉन 2 में भी साथ नजर आईं। फिल्म में प्रियंका ने रोमा की भूमिका निभाई थी, जबकि लारा दत्ता विशेष भूमिका में दिखाई दी थीं। हाल ही में प्रियंका चोपड़ा और लारा दत्ता विंबलडन टेनिस चैंपियनशिप के दौरान भी चर्चा में रहीं। दोनों अलग-अलग अवसरों पर टूर्नामेंट का आनंद लेती दिखाई दीं। व्यस्त पेशेवर जीवन के बावजूद उनकी यह मुलाकात इस बात का प्रमाण है कि वर्षों पुरानी दोस्ती आज भी उतनी ही मजबूत है।

फिल्म दुल्हनिया ले आएगी में नजर आएंगे जमशेदपुर के विवेक-निचिता

- शहर के सिने प्रेमियों में उत्साह, 24 जुलाई को देशभर के रिलीज होगी मूवी

जमशेदपुर,(ए.)। जमशेदपुर की प्रतिभा अब बॉलीवुड के बड़े पर्दे पर चमकती नजर आएगी। परसुडीह सरजामदा के कलाकार विवेक उपाध्याय और उनकी पत्नी निचिता उपाध्याय अब बॉलीवुड के बड़े पर्दे पर अपनी प्रतिभा का जलवा बिखेरेंगे। दोनों हिंदी फिल्म दुल्हनिया ले आएगी में नजर आएंगे। यह फिल्म 24 जुलाई को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में निचिता उपाध्याय अभिनेत्री खुशहाली कुमार की चाची की भूमिका निभा रही हैं, जबकि विवेक उपाध्याय एक पुलिस अधिकारी के किरदार में नजर आएंगे। कहानी में वे एसीपी की भूमिका निभा रहे अभिनेता पीयूष मिश्रा के साथ लापता दूल्हे की तलाश में अहम भूमिका निभाते दिखाई देंगे।

फिल्म में महेश मांजरेकर, पीयूष मिश्रा, खुशहाली कुमार और 'बीसी आंटी' के नाम से लोकप्रिय स्नेहिल दीक्षित प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म भारतीय शादियों की रंगीन परंपराओं, रिश्तों की जटिलताओं, प्रेम, हास्य और भावनात्मक पलों को मनोरंजक अंदाज में प्रस्तुत करती है। दर्शकों को इसमें रोमांच, पारिवारिक मूल्यों और अप्रत्याशित घटनाक्रम का अनूठा संगम देखने को मिलेगा।

फिल्म टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स में नजर आयेंगे यश और कियारा

अभिनेता यश और कियारा आडवाणी की अपकमिंग फिल्म टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्मक का पहला गाना तबाही खामोशी से शुरू होता है, और शायद यही इसकी सबसे बड़ी ताकत है। विशाल मिश्रा की आवाज़ और धुन इस इमोशनल खामोशी को और गहरा बना देती है, जहां हर नज़र, हर ठहराव अपने आप में एक अनकही कहानी बन जाता है। इस गाने में यश और कियारा की केमिस्ट्री दर्शकों के दिलों को छू रही है, जहाँ उनके बीच का अजीब सा खिंचाव और अनकहा प्यार पर्दे पर जीवंत हो उठता है। पूरे म्यूज़िक वीडियो में यश और कियारा के बीच एक गहरा और रहस्यमय खिंचाव महसूस होता है। उनकी हर नज़र में तड़प है, और हर खामोशी किसी लंबी बातचीत से भी ज़्यादा भारी लगती है। यहां बड़े-बड़े इज़हार नहीं हैं, बल्कि दिल को चुपचाप दबाकर रखने की एक मार्मिक कोशिश है, और यही इसे और ज़्यादा असरदार बना देता है।

यह गाना उन भावनाओं को दर्शाता है जिन्हें व्यक्त करना मुश्किल होता है, लेकिन जो आंखों और इशारों में साफ झलकती हैं। तबाही कोई सामान्य रोमांटिक गाना नहीं है, बल्कि यह एक गहरी, उलझी हुई और अंतर्निहित प्रेम कहानी का परिचय देता है, जहाँ किरदार अपने जज़्बातों से जूझते नजर आते हैं। वीडियो का एक बेहद खास पल तब आता है, जब तारा सुतारिया का किरदार रेबेका, राया (यश) से पूछता है, "क्या तुम खुद के अलावा किसी और से प्यार नहीं कर सकते?" और राया बिना रुके जवाब देता है, "बिलकुल नहीं।" ऊपर से ये जवाब बहुत पक्का लगता है, जैसे उसे यकीन हो कि उसके दिल में किसी के लिए जगह ही नहीं है। लेकिन अगले ही पल ये यकीन खुद ब खुद टूटने लगता है। कैमरा जैसे ही राया को कियारा की तरफ देखते हुए दिखाता है, शब्द बेकार हो जाते हैं।

रोहित शर्मा के संन्यास की अटकलें तेज, बल्लेबाजी कोच ने कहा- 'हिटमैन पर कोई दबाव नहीं'

लंदन (आरएनएस)। इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा एक बार फिर बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। कार्डिफ में खेले गए मैच में उन्होंने 47 गेंदों पर 26 रन बनाए। उनके जल्दी आउट होने के बाद एक बार फिर उनके भविष्य और संभावित संन्यास को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

सोशल मीडिया और कुछ मीडिया रिपोर्टों में दावा किया जा रहा है कि 19 जुलाई को लॉर्ड्स में खेला जाने वाला तीसरा वनडे रोहित शर्मा के अंतरराष्ट्रीय करियर का आखिरी मुकाबला हो सकता है। हालांकि, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) या स्वयं रोहित शर्मा की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

दूसरे वनडे में भारत को चार विकेट से हार का सामना करना पड़ा। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में टीम इंडिया के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने रोहित शर्मा के फॉर्म और उन पर बढ़ते दबाव को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब दिया।

कोटक ने कहा, रोहित शर्मा जैसे अनुभवी और बड़े खिलाड़ी पर किसी तरह का दबाव नहीं हो सकता। ऐसे खिलाड़ी इस तरह की चर्चाओं से प्रभावित नहीं होते। शुरुआती दो मैचों में उनके बल्ले से रन नहीं निकले, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वह संघर्ष कर रहे हैं। क्रिकेट में कई बार बल्लेबाज अपनी लय हासिल करने में थोड़ा समय लेते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि कार्डिफ की पिच पर दोहरा उछाल था, जिससे बल्लेबाजी करना आसान नहीं था और इसका असर कई बल्लेबाजों के प्रदर्शन पर भी देखने को मिला।

इस बीच, पीटीआई की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 2027 वनडे विश्व कप की तैयारियों को देखते हुए चयन समिति ने रोहित शर्मा को भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी दी है। हालांकि, इस संबंध में भी BCCI की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

ऐसे में अब सभी की नजरें 19 जुलाई को लॉर्ड्स में खेले जाने वाले तीसरे और निर्णायक वनडे पर होंगी। यह मुकाबला भारत के लिए सीरीज जीतने के साथ-साथ रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर चल रही चर्चाओं के कारण भी खास माना जा रहा है।

विश्व कप हार के बाद बेलिंगहम ने लिखा इमोशनल पोस्ट, प्रशंसकों को दिया धन्यवाद

अटलांटा (आरएनएस)। इंग्लैंड के फीफा वर्ल्ड कप 2026 से बाहर होने के बाद टीम के स्टार खिलाड़ी जूड बेलिंगहम ने भावुक पोस्ट लिखा है। इंग्लैंड को सेमीफाइनल मुकाबले में अर्जेंटीना के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था।बेलिंगहम ने अपने भावकु पोस्ट में सभी समर्थकों को उनके अविश्वसनीय समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। सेमीफाइनल मैच में एंथनी गॉर्डन द्वारा किए गए गोल की बदौलत इंग्लैंड मुकाबले में 1-0 से आगे चल रहा था। हालांकि, मैच के अंतिम 7 मिनटों में अर्जेंटीना ने दो गोल दागते हुए इंग्लैंड का फाइनल खेलने का सपना एक बार फिर तोड़ दिया। इस निराशाजनक हार के एक दिन बाद, बेलिंगहम ने सोशल मीडिया पर उन सभी फैंस का शुक्रिया अदा किया जिन्होंने अमेरिका आकर टीम का समर्थन किया। उन्होंने सभी से भरोसा बनाए रखने की अपील भी की।बेलिंगहम ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'इंस्टाग्राम' पर लिखा, बीते कुछ हफ्तों और कल के दिन को शब्दों में बयां करना आसान नहीं है। कंसास में हमारे ड्राइवर ने जो बात कही, उसने हमारी भावनाओं को पूरी तरह व्यक्त कर दिया। मैं उन सभी लोगों का दिल से धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने घर से हमारा हौसला बढ़ाया और अपनी मेहनत की कमाई खर्च कर अमेरिका आकर हमारा समर्थन किया। हमारे देश के लोगों के बीच जो एकता और प्यार इस अभियान के दौरान देखने को मिला, उसे यहीं खत्म नहीं होने देना चाहिए।

हॉकी विश्व कप के लिए भारतीय महिला टीम तैयार, सलीमा टेटे करेंगी नेतृत्व

नई दिल्ली (आरएनएस)। हॉकी इंडिया ने एफआईएच महिला विश्व कप 2026 के लिए भारत की 20 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कमान सलीमा टेटे के हाथों में सौंपी गई है।

भारतीय महिला हॉकी टीम के हेड कोच स्योर्ड मारिजने ने चुनी गई टीम को बेहद संतुलित बताया है। विश्व कप का आयोजन 15 से 30 अगस्त के बीच होना है। टूर्नामेंट की मेजबानी नीदरलैंड और बेल्जियम मिलकर करेंगे। बेंगलुरु में नेशनल कैंप में ट्रेनिंग कर रही इस टीम में अनुभवी खिलाड़ियों और होनहार युवा खिलाड़ियों का मिश्रण है। इन युवा खिलाड़ियों ने हाल के इंटरनेशनल टूर्नामेंट्स में सभी को प्रभावित किया है, खासकर पिछले महीने न्यूजीलैंड में हुए एफआईएच नेशंस कप में टीम का प्रदर्शन दमदार रहा था और भारत ने बिना कोई मैच हारे खिताब पर कब्जा जमाया था। टीम में सविता और बिचू देवी खारीबम को गोलकीपर के तौर पर शामिल किया गया है, जबकि डिफेंस यूनिट में इशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरामबम, लालथंतलुंगी, ज्योति और शिल्पी डबास शामिल हैं। मिडफील्ड में कप्तान सलीमा के साथ निक्की प्रधान, साक्षी राणा, सुनेलिता टोप्पो, नेहा और दीपिका सोरेंग को रखा गया है। वहीं, फॉरवर्ड

लाइन में लालरेम्सियामी, रुतुजा दादासो पिसल, नवनीत कौर, दीपिका, इशिका, बलजीत कौर और ब्यूटी डुंगडुंग को जगह दी गई है।विश्व कप के लिए चुनी गई टीम को लेकर बातचीत करते हुए कोच मारिजाने ने कहा, हमने खिलाड़ियों का एक संतुलित ग्रुप चुना है जो इस गर्मी में आने वाली बड़ी चुनौतियों के लिए तैयार है। टीम ने टूर्नामेंट से पहले कड़ी मेहनत की है और हमें इस ग्रुप की काबिलियत पर भरोसा है। हम दुनिया की बेहतरीन टीमों के खिलाफ खेलने और सबसे बड़े मंच पर शानदार प्रदर्शन करने के लिए उत्साहित हैं। भारतीय टीम को चीन, इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका के साथ पूल डी में रखा गया है। टीम अपने सभी पूल-स्टेज मैच नीदरलैंड के एमस्टेलवीन में वागेनर हॉकी स्टेडियम में खेलेगी।

भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 16 अगस्त को चीन के खिलाफ करेगी, इसके बाद 18 अगस्त को साउथ अफ्रीका और 20 अगस्त को इंग्लैंड के खिलाफ मैच खेलेगी। एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप 2026 के लिए भारत की 20 सदस्यीय टीम।

गोलकीपर: सविता, बिचू देवी खारीबम

डिफेंडर: इशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरामबम, लालथंतलुंगी, ज्योति, शिल्पी डबासूमिडफील्डर: निक्की प्रधान, साक्षी राणा, सुनेलिता टोप्पो, सलीमा टेटे (कप्तान), नेहा, दीपिका सोरेंगफॉरवर्ड: लालरेम्सियामी, रुतुजा दादासो पिसल, नवनीत कौर, दीपिका, इशिका, बलजीत कौर, ब्यूटी डुंगडुंग।

बुडापेस्ट रैंकिंग सीरीजः भारत के खाते में दो पदक, हंसिका को सिल्वर और रजत को ब्रॉन्ज

बुडापेस्ट (ए.)। भारत की हंसिका लांबा ने बुडापेस्ट रैंकिंग सीरीज में महिलाओं के 55 किलोग्राम फ्रीस्टाइल इवेंट में सिल्वर मेडल अपने नाम किया। हालांकि, वह गोल्ड मेडल जीतने से चूक गईं और उन्हें फाइनल में यूक्रेन की नतालिया क्लीवचुत्स्का के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।19 वर्षीय हंसिका को क्लीवचुत्स्का के खिलाफ 0-5 से हार झेलनी पड़ी। हंसिका लांबा ने क्वार्टर फाइनल में तुर्की की तुबा डेमिर को 8-4 से हराकर अपने अभियान की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने सेमीफाइनल में जर्मनी की अनास्तासिया ब्लेवास के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए 10-7 से जीत दर्ज की थी। 2-7 से पिछड़ने के बाद, लांबा ने चार बार टेकडाउन करके जीत हासिल की और फाइनल का टिकट हासिल किया। वह इस साल शानदार फॉर्म में रही हैं और अपने दो अन्य अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट—एशियन चैंपियनशिप और उलानबटार ओपन में ब्रॉन्ज मेडल जीत चुकी हैं।महिलाओं के 50 किलोग्राम वर्ग में प्रियांशी प्रजापत को रेपचेज के जरिए मौका मिलने के बाद ब्रॉन्ज मेडल के मुकाबले में इक्वाडोर की जैकलीन मोलोकाना से 4-2 से हार का सामना करना पड़ा।प्रियांशी ने 50 किलोग्राम भार वर्ग में अपने अभियान की शुरुआत शानदार जीत के साथ की थी। उन्होंने पैन-अमेरिकन चैंपियन अमेरिका की केटी गोमेज को 'फॉल' के जरिए हराया था। मुकाबले में गोमेज ने शुरुआत में बढ़त बना ली थी, लेकिन प्रियांशी ने बेहतरीन वापसी करते हुए उनके पैरों पर हमला किया और उन्हें पिन करके मुकाबला अपने नाम कर लिया। हालांकि, क्वार्टर फाइनल में प्रियांशी को चीन की फेंग जिकि के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। फेंग जिकि ने यह मुकाबला तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर जीता। चीन की फेंग जिकि पेरिस ओलंपिक की ब्रॉन्ज मेडल विजेता भी रह चुकी हैं। जिकि के फाइनल में पहुंचने के बाद, प्रियांशी को रेपचेज के जरिए मेडल जीतने का मौका मिला, लेकिन वह जीत हासिल करके पोडियम तक नहीं पहुंच सकीं।पुरुषों के 125 किलोग्राम भार वर्ग में भारत के पहलवान रजत रुहल ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। उन्हें यह पदक तब मिला, जब अमेरिका के उनके प्रतिद्वंद्वी मेसन पैरिस ने चोट के कारण मुकाबले से हटने का फैसला किया और रजत को वॉकओवर मिल गया। रजत का सफर आसान नहीं रहा। वह क्वार्टर फाइनल मुकाबले में पोलैंड के कामिल कोसिओलेक से हार गए थे। इसके बाद उन्होंने रेपेशाज राउंड में शानदार वापसी की। इस मुकाबले में रजत ने साउथ कोरिया के ग्वानुक किम को 8-4 के स्कोर से हराकर ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले में जगह बनाई।इसी डिवीजन में हिस्सा ले रहे दूसरे भारतीय, दिनेश धनखड़, क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हो गए। पुनीत कुमार (92 किग्रा) और ओलंपियन दीपक पूनिया (97 किग्रा) अपने-अपने डिवीन में शुरुआती मुकाबले हारने के बाद बाहर हुए। इससे पहले, पेरिस ओलंपिक मेडलिस्ट अमन सहरावत ने पुरुषों के 57 किलोग्राम वर्ग में गोल्ड मेडल जीता, जबकि दीपक (पुरुषों के 61 किग्रा) और विशाल कालीरमाना (पुरुषों के 65 किग्रा) ने ब्रॉन्ज मेडल जीते। बुडापेस्ट रैंकिंग सीरीज में भारत के पदकों की संख्या अब पांच हो गई है।

फीफा विश्व कपः तीसरे स्थान के लिए फ्रांस और इंग्लैंड की प्रतिष्ठा की जंग, कांस्य पदक पर होगी नजर

मियामी (ए.)। फीफा विश्व कप 2026 में तीसरे स्थान के लिए होने वाला प्ले-ऑफ मुकाबला रविवार, 19 जुलाई को भारतीय समयानुसार तड़के 2:30 बजे खेला जाएगा। इस मुकाबले में दो यूरोपीय फुटबॉल महाशक्तियां फ्रांस और इंग्लैंड आमने-सामने होंगी। दोनों टीमें सेमीफाइनल में हार के बाद अब जीत के साथ अपने अभियान का समापन करने और कांस्य पदक हासिल करने के इरादे से मैदान में उतरेंगी। मुकाबला अमेरिका के मियामी स्थित मियामी स्टेडियम (हार्ड रॉक स्टेडियम) में खेला जाएगा।

फ्रांस को सेमीफाइनल में स्पेन के हाथों 0-2 से हार का सामना करना पड़ा था। इसके साथ ही लगातार तीसरी बार विश्व कप फाइनल में पहुंचने का उसका सपना टूट गया। दूसरी ओर इंग्लैंड को गत चैंपियन अर्जेंटीना के खिलाफ 2-1 की रोमांचक हार झेलनी पड़ी, जिसमें अंतिम क्षणों में मैच का पासा पलट गया। अब दोनों टीमें तीसरे स्थान के मुकाबले में अपनी प्रतिष्ठा बचाने की कोशिश करेंगी। फ्रांस के पास किलियन एमबाप्पे, उस्मान डेम्बेले और माइकल ओलीसे जैसे स्टार खिलाड़ी हैं, जबकि इंग्लैंड की उम्मीदें हैरी केन, एंथनी गॉर्डन और जूड बेलिंगहैम जैसे खिलाड़ियों पर टिकी रहेंगी। दोनों टीमों के बीच मुकाबला तेज गति, आक्रामक फुटबॉल और रणनीतिक खेल के लिए जाना जाता है, इसलिए प्रशंसकों को एक रोमांचक मैच देखने की उम्मीद है।

हालांकि तीसरे स्थान का मुकाबला विश्व कप ट्रॉफी जितना महत्वपूर्ण नहीं माना जाता, फिर भी यह दोनों टीमों के लिए सम्मान बचाने और सकारात्मक परिणाम के साथ टूर्नामेंट समाप्त करने का अवसर होगा। यह मुकाबला युवा खिलाड़ियों को खुद को साबित करने और टीम प्रबंधन को भविष्य की योजनाओं का आकलन करने का भी मौका देगा। कई विशेषज्ञों का मानना है कि दोनों टीमें अपनी मजबूत प्लेइंग इलेवन के साथ उतर सकती हैं ताकि विश्व कप अभियान का समापन जीत के साथ किया जा सके। इस मुकाबले के बाद विश्व कप का फाइनल 20 जुलाई (भारतीय समयानुसार) स्पेन और अर्जेंटीना के बीच खेला जाएगा। ऐसे में तीसरे स्थान का यह प्ले-ऑफ भी फुटबॉल प्रेमियों के लिए किसी बड़े फाइनल से कम नहीं माना जा रहा है, क्योंकि इसमें दो विश्व स्तरीय टीमें सम्मान और कांस्य पदक के लिए पूरा दमखम लगाती नजर आएंगी।फ्रांस और इंग्लैंड दोनों सेमीफाइनल में हार के बाद तीसरे स्थान के लिए उतरेंगे, इसलिए दोनों टीमों में कुछ बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

उपलब्ध टीम समाचार और हालिया मैचों के आधार पर संभावित प्लेइंग इलेवन इस प्रकार हो सकती है:

फ्रांस (संभावित XI) - 4-2-3-1

गोलकीपर: माइक मेन्यां

डिफेंडर: जूल्स कुंडे, इब्राहिमा कोनाते, मैक्सेंस लाक्रोआ, थियो हर्नांडिज़

मिडफील्डर: मानु कोने, वॉरेन ज़ैरे-एमरी

अटैकिंग मिडफील्डर: रायान शेरकी, माइकल ओलीसे, देजिरे दूए

स्ट्राइकर: किलियन एम्बाप्पे

फ्रांस के नियमित सेंटर-बैक विलियम सालिबा पीठ की चोट के कारण उपलब्ध नहीं हो सकते हैं, जबकि कोच दिदिए देशां कुछ युवा खिलाड़ियों को मौका दे सकते हैं।

छत्तीसगढ़ समाचार

आवारा कुत्तों का आतंकः 5 साल के मासूम पर झुंड ने किया जानलेवा हमला, इलाज से पहले हुई मौत

भड़का जनाक्रोश, निगम पर लापरवाही का आरोप

कोरबा (आरएनएस)। जिले के मानिकपुर चैकी क्षेत्र के दादर में गुरुवार शाम एक दिल दहला देने वाली घटना ने पूरे इलाके को झकझोर दिया। आवारा कुत्तों के झुंड ने 5 वर्षीय मासूम प्रकाश पटेल पर हमला कर उसे इतनी बेरहमी से नोच डाला कि अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस दर्दनाक हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है।

मृतक प्रकाश पटेल पिता किशोर पटेल कक्षा पहली का छात्र था। परिवार मूल रूप से जांजगीर-चांपा जिले का रहने वाला है और रोजी-मजदूरी के लिए दादर में रह रहा है। मृतक के पिता किशोर पटेल ने बताया कि गुरुवार शाम करीब 4 बजे वह दादर में एक मकान निर्माण स्थल पर मजदूरी कर रहे थे। उनका बेटा प्रकाश उनसे मिलने आया था। कुछ देर बाद जब वह वापस घर लौट रहा था, तभी रास्ते में 5 से 6 आवारा कुत्तों के झुंड ने अचानक उस पर हमला कर दिया।

मासूम की चीख-पुकार सुनकर पिता दौड़ते हुए मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक कुत्ते उसे दौड़ा-दौड़ाकर नोच चुके थे।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर गरियाबंद पुलिस की अनूठी पहल, स्कूली बच्चों के लिए निबंध और चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

साइबर व यातायात जागरुकता पर निबंध, जल संरक्षण और जंगल बचाओ विषय पर चित्रकला के जरिए विद्यार्थियों ने दिए संदेश

गरियाबंद,(आरएनएस)। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर गरियाबंद पुलिस ने जिले के विभिन्न स्कूलों में स्कूली बच्चों के लिए निबंध लेखन एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों को सरदार पटेल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित कराना तथा उनमें राष्ट्रीय एकता, अखंडता, देशभक्ति और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना था।

पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम के तहत थाना गरियाबंद क्षेत्र के स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल, थाना राजिम क्षेत्र के शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय सुरसाबांधा, तथा थाना फिंगेश्वर क्षेत्र के रानी श्याम कुमारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय फिंगेश्वर एवं प्राथमिक शाला लालपुर में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। निबंध लेखन प्रतियोगिता में बच्चों ने साइबर सुरक्षा और यातायात जागरूकता जैसे विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए, जबकि चित्रकला प्रतियोगिता में जल संरक्षण और जंगल बचाओ जैसे विषयों को आकर्षक चित्रों के ाध्यम से उकेरकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा और सामाजिक जागरूकता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को गरियाबंद पुलिस द्वारा पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

गरियाबंद पुलिस ने कहा कि इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम भविष्य में भी आयोजित किए जाएंगे, ताकि बच्चों में राष्ट्र निर्माण, सामाजिक जिम्मेदारी और नागरिक कर्तव्यों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित हो सके।

केसीसी लोन दिलाने का झांसा देकर किसान से 16.40 लाख की ठगी, फर्जी बैंक कर्मचारी गिरफ्तार

खैरागढ़, (आरएनएस)। किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) लोन स्वीकृत कराने का झांसा देकर एक किसान से 16.40 लाख रुपये की ठगी करने के मामले में केसीजी पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी खुद को बैंक कर्मचारी बताकर किसान का विश्वास जीतता था और लोन स्वीकृत कराने के नाम पर लाखों रुपये ऐंठ लिए। न्यायालय में पेश करने के बाद उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार, ग्राम गर्रा निवासी दिनाराम जंघेल (55 वर्ष) ने थाना छुईखदान में शिकायत दर्ज कराई थी कि अर्पित देवांगन (28 वर्ष), निवासी दुर्गा चौक, राजनांदगांव ने स्वयं को बैंक कर्मचारी बताते हुए किसान क्रेडिट कार्ड लोन दिलाने और बैंक में राशि जमा कराने का भरोसा दिलाया। आरोपी ने इसी बहाने प्रार्थी से अलग-अलग किस्तों में 16 लाख 40 हजार रुपये ले लिए, लेकिन न तो लोन स्वीकृत कराया और न ही रकम वापस की। शिकायत के आधार पर थाना छुईखदान में 14 जुलाई 2026 को अपराध क्रमांक 261/2026 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) और 319(2) के तहत मामला कायम किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में थाना छुईखदान पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू की।

16 करोड़ के गांजा तस्करी नेटवर्क पर बड़ा प्रहार, 4 और तस्कर गिरफ्तार, अब तक 9 आरोपी पुलिस गिरफ्त में

बलरामपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में करीब 16 करोड़ रुपये के अंतरराज्यीय गांजा तस्करी नेटवर्क पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। बलरामपुर पुलिस और ओडिशा स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की संयुक्त कार्रवाई में गांजा तस्कर गिरोह के चार और आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इसके साथ ही इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है।

पुलिस जांच में अब तक 3,139 किलोग्राम से अधिक गांजा की तस्करी का खुलासा हुआ है। जांच के दौरान सामने आया कि तस्कर गांजा को नारियल की भूसी में छिपाकर राजस्थान भेजते थे, ताकि पुलिस और जांच एजेंसियों की नजर से बच सकें। यह कार्रवाई बसंतपुर थाना में दर्ज दो बड़े एनडीपीएस मामलों की जांच के दौरान की गई। बलरामपुर पुलिस और ओडिशा एसटीएफ की संयुक्त एंड-टू-एंड जांच से अंतरराज्यीय तस्करी नेटवर्क की कई परतें खुली हैं। पुलिस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

नक्सलियों का हथियार डंप बरामद, पुलिस-बीएसएफ की संयुक्त कार्रवाई में रायफल और कारतूस जब्त

नारायणपुर (आरएनएस)। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में चलाए जा रहे संयुक्त सर्चिंग अभियान के दौरान नारायणपुर पुलिस और 58वीं वाहिनी बीएसएफको बड़ी सफलता मिली है। थाना कोहकामेटा क्षेत्र के कच्चापाल जंगल में नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखा गया हथियारों का डंप बरामद किया गया। बरामद हथियारों और गोला-बारूद को जब्त कर पुलिस ने वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार, जिले के नक्सलमुक्त क्षेत्रों में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ ही नक्सलियों द्वारा पूर्व में छिपाए गए हथियार, विस्फोटक और अन्य सामग्री की तलाश के लिए लगातार संयुक्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत सुरक्षा बलों ने कच्चापाल के जंगल में छिपाकर रखा गया हथियारों का जखीरा बरामद किया। बरामद सामग्री में एक.303 रायफल, एक 315 रायफल, एक स्थानीय निर्मित बैरल लांचर, 303 बोर के 17 जीवित कारतूस, 7.62 मिमी के 10 जीवित कारतूस, 12 बोर के 4 कारतूस, 303 रायफल की एक खाली मैगजीन, दो कारतूस फ्लिर तथा तीन 303 ट्रेसर रॉड शामिल हैं।

छग विधानसभा : सदन में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा, नेता प्रतिपक्ष ने 136 बिंदुओं का आरोप पत्र किया पेश

रायपुर,(ए.)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के अंतिम दिन शुक्रवार को साय सरकार के खिलाफ कांग्रेस के अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा हुई। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत ने 136 बिंदुओं का आरोप पत्र पेश करते हुए कहा कि यह सिर्फ मेरा आरोप नहीं, यह आम जनता का आरोप है। साय सरकार को अब तक 136 हफ्ते हो गए हैं। यह अविश्वास प्रस्ताव किसान, महिलाओं, युवाओं के खिलाफ रचे गए हर हफ्ते के षड्यंत्र का दस्तावेज है। हर हफ्ते का एक पाप, हर हफ्ते का एक धोखा, हर हफ्ते की नाकामी का पूरा दस्तावेज पेश कर रहे हैं।नेता प्रतिपक्ष डॉक्टर चरण दास महंत ने कहा कि 1963 में जब आचार्य जेपी कृपलानी ने नेहरू सरकार के विरुद्ध लोकसभा में पेश किया था, तब खुद नेहरू ने उसका स्वागत करते हुए कहा था कि सरकार के ख़िलाफ़ लोकतंत्र में ऐसी बहस होती रहे यह अच्छी परम्परा है। 1979 में जब तत्कालीन प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई को यह आभाष हुआ कि सदन में उनकी स्थिति ठीक नहीं है, तो उन्होंने अविश्वास प्रस्ताव के पहले ही त्यागपत्र देना स्वीकार कर लिया।संत पवन दीवान ने लिखा है कि चुप-चुप रहकर सब कुछ सहकर सबका मान बढ़ाते हैं, बार-बार अपमानित होकर ग़ैरों का गुणगान करते हैं, मेहमानों को खूब खिलाकर चुपचाप सो जाते हैं, इसलिए ही छत्तीसगढ़िया परबुद्धि कहलाते हैं। छत्तीसगढ़ में सब कुछ है लेकिन कमी है स्वाभिमान की। मुझसे सही नहीं जाती ऐसी चुप्पी वर्तमान की। मंत्री ओपी चौधरी और भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने छत्तीसगढ़ के लोगों को परबुद्धि कहने पर आपत्ति जताई। नेता प्रतिपक्ष ने कहा, यह मेरा लिखा नहीं है। यह संत पवन दीवान की लिखी कविता है। मंत्री ओपी चौधरी के नाम का जिक्र करते हुए नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि आप कब पैदा हुए मुझे नहीं पता, लेकिन 'छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया' मेरे पिता का दिया नारा था। हम छत्तीसगढ़ की मूल भावना चरित्र को रख रहे हैं, उसमें भी लोगों को तकलीफ हो रही है।उन्होंने कहा कि 26 जुलाई 2022 को हम लोगों ने एक पवित्र निर्णय लिया था। सर्वसम्मति से एक संकल्प लाया था कि हसदेव में आबंटित कॉल ब्लॉक को रद्द करते हैं। यह सरकार जब बनी तब मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल ने शपथ नहीं लिया था।

तरदा गांव में बंद मकान से मिला मेडिकल वेस्ट, दुर्गंध फैलने पर खुला मामला

कोरबा (आरएनएस)। जिले के उरगा थाना क्षेत्र के तरदा गांव में एक बंद मकान से तेज दुर्गंध आने के बाद ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। जब ग्रामीणों ने मकान खुलवाकर अंदर देखा तो वहां भारी मात्रा में मेडिकल वेस्ट पड़ा मिला। सूचना मिलते ही पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। ग्रामीणों के अनुसार, संबंधित मकान कुछ दिन पहले किराए पर लिया गया था। पिछले कई दिनों से वहां से बदबू आ रही थी, लेकिन गुरुवार को दुर्गंध इतनी अधिक हो गई कि आसपास रहना मुश्किल हो गया। इसके बाद ग्रामीणों ने घर खुलवाया, जहां बड़ी संख्या में इंजेक्शन, सिरिंज, दवाओं की खाली शीशियां और अन्य जैव-चिकित्सा कचरा थैलियों में भरा मिला। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, जिले के सरकारी और निजी अस्पतालों से निकलने वाले मेडिकल वेस्ट के उठाव का ठेका एनवायरो केयर कंपनी को मिला है।

जय जगन्नाथ के जयघोषों से गूंजा दादर, भव्य रथयात्रा में शामिल होने उमड़ा आस्था का सैलाब

कोरबा (आरएनएस)। शहर के साथ उप नगरीय क्षेत्रों में गुरुवार को भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली गई। दादरखुर्द में 126 साल से चल रही परंपरा के साथ पूजा-अर्चना के बाद रथ यात्रा शुरू हुई। श्रद्धालुओं ने रथ खींचकर रथयात्रा शुरुआत की। रथ में भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ विराजमान थे। दादरखुर्द में जय जगन्नाथ की गूंज के बीच पूरे गांव का भ्रमण कराया।

ओडिशा के जगन्नाथ पुरी की तरह ही दादरखुर्द में उत्सव मनाया जाता है। रथ यात्रा प्रारंभ करने से पहले भगवान की प्रतिमाओं को मंदिर से रथ तक लाया गया। रथ यात्रा में शहर के साथ आसपास ग्रामीण क्षेत्रों से भी श्रद्धालु पहुंचे थे। इसी तरह बालको नगर राम मंदिर, खरमोरा हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में भी रथ यात्रा निकाली गई। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान के साथ भगवान जगन्नाथ की पूजा कर आरती उतारी। बालको नगर में राम मंदिर से भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली गई। पूजा की शुरुआत पारंपरिक धान के पात्र से की गई। मंदिर से भगवान जगन्नाथ के साथ ही भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की मूर्तियों को रथ तक ले गए। मूर्तियों को ले जाने वाले रास्ते पर झाड़ू लगाने की परंपरा निभाई गई। रथ यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। रथ यात्रा का नगर भ्रमण कराया गया।

शहर वासियों को स्वच्छ सुरक्षित पानी उपलब्ध कराने के हाईकोर्ट ने दिए नपा सीहोर को आदेश

कांग्रेस नेता शमीम अहमद ने हाई कोर्ट में लगाई थी जनहित याचिका

सीहोर (निप्र)। जबलपुर हाईकोर्ट ने शहर के नागरिकों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध नहीं करने को लेकर कलेक्टर सीहोर और नगर पालिका सीएमओ को कड़ी फटकार लगाई है। कांग्रेस नेता पूर्व पार्षद शमीम अहमद के द्वारा लगाई गई जनहित याचिका को स्वीकार करते हुए कोर्ट ने सीहोर नगर पालिका परिषद अंतर्गत आने वाले कहिरी फिल्टर प्लांट को पुन: चालू करने, शहर में अंडरग्राउंड जर्जर पाइपलाइन नेटवर्क को पूरा बदलने , जल शुद्धिकरण रसायनों का समुचित उपयोग सुनिश्चित किया जाने और नागरिकों के जीवन एवं स्वास्थ्य की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाने के निर्देश दिए हैं।जनहित को लेकर शुक्रवार को जिला कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस नेता शमीम अहमद के द्वारा पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। अहमद ने हाई कोर्ट में लगाई जनहित याचिका के बाद हाई कोर्ट के द्वारा मध्यप्रदेश राज्य, सचिव, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, मंत्रालय, आयुक्त, नगरीय प्रशासन, भोपाल संभागकलेक्टर, जिला सीहोर, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका परिषद, सीहोर और कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग जिला सीहोर को जारी किए गए नोटिस की जानकारी दी।

कांग्रेस नेता शमीम अहमद ने बताया कि पिछले कई वर्षों से सीहोर के नागरिकों को पार्वती नदी का अत्यधिक प्रदूषित एवं बिना शुद्ध किया हुआ पानी सीधे घरों तक पहुँचाया जा रहा है। इसका मुख्य कारण कहिरी फिल्टर प्लांट का पूर्णत: बंद होना, पुरानी एवं रिसावयुक्त पाइपलाइन तथा जल शुद्धिकरण रसायनों का उपयोग न किया जाना है। इससे हजारों नागरिकों के जीवन एवं स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है।कलेक्टर एवं आयुक्त, नगरीय प्रशासन को अनेक बार आवेदन दिए जाने के बावजूद कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। इसलिए यह हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा और जनहित याचिका प्रस्तुत की गई है। याचिकाकर्ता कांग्रेस नेता पूर्व पार्षद शमीम अहमद की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता शेखर शर्मा तथा अधिवक्ता अभय प्रताप सिंह ने फिर भी की तो वही राज्य की ओर से सरकारी अधिवक्ता डॉ. एस. एस. चौहान ने सरकार का पक्ष रखा।

नगर पालिका ने सप्लाई किया प्रदूषण पानी कांग्रेस नेता याचिकाकर्ता शमीम अहमद ने कहा किसीहोर नगर की जलापूर्ति मुख्यत: पार्वती नदी (कहिरी बाँध) तथा भगवानपुरा एवं जमोनिया जलाशयों से होती है। कहिरी फिल्टर प्लांट एवं जल भंडारण टंकियों में शोधन के पश्चात यह पानी पाइपलाइन नेटवर्क के माध्यम से नागरिकों तक पहुँचाया जाना चाहिए लेकिन ऐसा नहीं किया गया। पार्वती नदी पर स्थित कहिरी फिल्टर प्लांट लगभग दो वर्षों से मरम्मत एवं रखरखाव के अभाव में पूरी तरह बंद पड़ा है। परिणामस्वरूप पार्वती नदी का बिना शुद्ध किया गया पानी सीधे नगर की पाइपलाइन में भेजा जा रहा है और बिना किसी उपचार के नागरिकों के घरों तक पहुँचाया जा रहा है।

गुरु-शिष्य परंपरा को समर्पित गुरु वंदन एवं छात्र अभिनंदन एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न

माता शबरी कन्या शिक्षा परिसर में हुआ भव्य आयोजन

सीहोर (निप्र)। सूर्या फाउंडेशन द्वारा संचालित माता शबरी आवासीय कन्या शिक्षा परिसर, सीहोर में भारतीय संस्कृति की गौरवशाली गुरु-शिष्य परंपरा को समर्पित गुरु वंदन एवं छात्र अभिनंदन एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम अत्यंत गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों के प्रति सम्मान प्रकट करना, शैक्षणिक, खेल एवं सांस्कृतिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं का अभिनंदन करना तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश देना था।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारत विकास परिषद की महिला शाखा प्रमुख श्रीमती सुनीता सोनी, भारत विकास परिषद, शाखा सीहोर के अध्यक्ष आर्य रितेश राठौर, कोषाध्यक्ष अंकुश जैन तथा संस्कार संयोजिका श्रीमती शोभा चांडक उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्प अर्पण के साथ किया गया। इसके पश्चात गुरु वंदन में विद्यालय की प्राचार्या डॉ. विनीत गाबा को माला, शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। वहीं सभी अतिथियों ने विद्यालय के शिक्षकों का तिलक लगाकर एवं माल्यार्पण कर सम्मान किया।

जन्मदिन को यादगार बनाने ऐलम सिंह दांगी जिला अध्यक्ष सरपंच संघ सीहोर ने रोपे 101 पौधे, 100 किलो गुड़ से कराई गौ-सेवा, देखरेख का लिया संकल्प

– शाहपुर कोडिया में अनूठे आयोजन में शामिल हुए विधायक सुदेश राय

सीहोर (निप्र)। आज के आधुनिक दौर में जहां युवा अपना जन्मदिन होटलों और पार्टियों में फिजूलखर्ची कर मनाते हैं, वहीं सीहोर के ग्रामीण क्षेत्र में युवाओं ने समाज को एक नई और सकारात्मक राह दिखाई है।

अखिलेश मेवाड़ा ने बताया कि शाहपुर कोडिया में एलम सिंह दांगी और अभिषेक मेवाड़ा के जन्मदिन को यादगार और पर्यावरण हितैषी बनाने के लिए एक अनूठा आयोजन किया गया। इस मौके पर न सिर्फ 101 पौधों का रोपण किया गया, बल्कि गौ माताओं को 100 क्विंटल गुड़ भी खिलाया गया।इस कार्यक्रम शामिल होने के लिए विशेष रूप से विधायक सुदेश राय शाहपुर कोडिया पहुंचे। उन्होंने युवाओं के साथ मिलकर स्वयं पौधारोपण किया और इस अनूठी पहल की दिल से सराहना की।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए विधायक सुदेश राय ने दोनों युवाओं को जन्मदिन की बधाई दी और उनके इस कदम को समाज के लिए एक प्रेरणा बताया। विधायक राय ने कहा कि आज के समय में पर्यावरण का संरक्षण और गौ-सेवा सबसे बड़ा धर्म है।

गुप्त नवरात्रि अष्टमी के दिन किया जाएगा हलवे की प्रसादी का वितरण

सीहोर (निप्र)। हर साल की तरह इस साल भी शहर के विश्रामघाट मां चौसट योगिनी मरीह माता मंदिर में हर साल की तरह इस साल भी आषाढ़ गुप्त नवरात्रि के पावन अवसर पर प्रतिदिन हवन, यज्ञ, दुर्गा सप्त शती का पाठ के साथ पार्थिव शिवलिंगों का निर्माण के अलावा कन्या भोज आदि का आयोजन भी किया जाएगा। मंदिर के व्यवस्थापक गोविन्द मेवाड़ा, रोहित मेवाड़ा, यज्ञाचार्य पंडित मोहन शर्मा, पंडित गणेश शर्मा, जिला संस्कार मंच की ओर से जितेन्द्र तिवारी, संकल्प वृद्धाश्रम के संचालक राहुल सिंह, धर्मेन्द्र माहेश्वरी, आयुष गुप्ता सहित अन्य ने यहां पर देवी मां का विशेष श्रृंगार किया। इस मौके पर सुबह नवग्रह पूजन के अलावा शाम को हवन आरती का आयोजन किया जा रहा है। शुक्रवार को सुबह माता का विशेष श्रृंगार के साथ करीब दो दर्जन से अधिक कन्याओं को भोजन प्रसादी का वितरण किया गया। जिला संस्कार मंच के मनोज दीक्षित मामा ने बताया कि अष्टमी के दिन हलवे की प्रसादी का वितरण किया जाएगा। गुप्त नवरात्रि में साधक पूरी आस्था के साथ पूजा अर्चना करती है। भक्त अत्यधिक भक्ति और समर्पण के साथ मां दुर्गा की पूजा-अर्चना करते हैं। साथ ही नौ दिनों तक कठिन उपवास का पालन करते हैं। गुप्त नवरात्र साल में दो बार माघ और आषाढ़ माह में आते हैं। भगवती के दस रूपों की पूजा गुप्त नवरात्र में की जाती है। मां भगवती

के दस रूपों दर्शन-पूजन क्रम में पहले दिन मां काली, दूसरे में मां तारा देवी, तीसरे में मां त्रिपुर सुन्दरी, चौथे में मां भुवनेश्वरी, पांचवें में मां छिन्नमस्ता, छठे में मां त्रिपुर भैरवी, सातवें में मां धूमावती, आठवें में मां बगलामुखी, नौवें में मां मातंगी और दसवें दिन मां कमला देवी की पूजा होती है, मां के इन दस स्वरूपों को पूजा-अर्चना करने का ख़ास महत्व है।गुप्त नवरात्रि में मां दुर्गा के उपासक गुप्त तरीके से पूजा उपासना करते हैं। आषाढ़ माह में पडने वाले गुप्त नवरात्रि की शुरुआत शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से होती है। इस साल गुप्त नवरात्रि का प्रारम्भ गत दिवस 15 जुलाई से शुरू हुआ है, जिसका समापन 23 जुलाई को होगा। जो भक्त गुप्त नवरात्रि में नौ दिन मां दुर्गा की विधि विधान से पूजा उपासना करते हैं, उन्हें नवग्रह से शांति मिलती है। गुप्त नवरात्रि में गुप्त विद्याओं की सिद्धि के लिए विशेष साधनाएं की जाती है। इन दिनों तंत्र साधना का विशेष महत्व होता है। इन तंत्र साधनाओं को गुप्त रूप से किया जाता है। इसलिए इसे गुप्त नवरात्रि कहा जाता है। इस दुर्गा माता को शक्ति का रूप माना जाता है। इसलिए, इस दौरान 9 दिनों तक संकल्प लेकर व्रत रखना होता है। इस दौरान प्रत्येक दिन सुबह और शाम को मां दुर्गा की आराधना करनी होती है। इसके साथ अष्टमी या नवमी पर कन्या पूजन कर व्रत तोड़े जाते हैं। गुप्त नवरात्रि में दुर्गा चालीसा और दुर्गा सप्तशती का पाठ भी करना होता है। गुप्त रूप से देवी मां और महाशक्ति की आराधना करने के चलते ही इन्हें गुप्त नवरात्र कहा जाता है। गुप्त नवरात्रि में पूजा और मनोकामना जितनी ज्यादा गोपनीय होंगी, सफलता उतनी ही ज्यादा मिलेगी।

ग्रामीण विकास मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने किया बैंक ऑफ इंडिया आरसेटी, सीहोर का निरीक्षण, प्रशिक्षण व्यवस्था की सराहना

सीहोर (निप्र)। ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने बैंक ऑफ इंडिया ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी), सीहोर का आधिकारिक निरीक्षण कर संस्थान में संचालित प्रशिक्षण व्यवस्थाओं, स्वरोजगार आधारित गतिविधियों एवं अभिलेखों का गहन अवलोकन किया। अधिकारियों ने संस्थान की कार्यप्रणाली पर संतोष व्यक्त करते हुए इसकी सराहना की और इसे ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। निरीक्षण के दौरान संयुक्त सचिव एस. शशि कुमार, उप सचिव रामचंद्र तथा अवर सचिव विनोद सावंत ने संस्थान में संचालित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे अभ्यर्थियों से सीधे संवाद कर प्रशिक्षण की गुणवत्ता, उपलब्ध सुविधाओं तथा भारत सरकार की स्वरोजगार एवं कौशल विकास योजनाओं से मिलने वाले लाभों की जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों ने यह भी सुनिश्चित किया कि केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक प्रभावी एवं पारदर्शी रूप से पहुँच रहा है।भ्रमण के दौरान अधिकारियों ने संस्थान परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

आईईएस पब्लिक स्कूल में विद्यारंभ संस्कार का आयोजन

सीहोर (निप्र)। आईईएस पब्लिक स्कूल सिहोर में विद्यारंभ संस्कार का आयोजन आईईएस कॅम्पस में किया गया जिसमे नर्सरी क्लास के लिए विद्यारंभ संस्कार पूरे श्रद्धा, प्यार और आशीर्वाद के साथ मनाया गया। छोटे-छोटे हाथों ने अपने माता-पिता की मौजूदगी में स्लेट पर अपना पहला क ख ग लिखा जो उनकी सीखने की यात्रा की एक शुभ शुरुआत थी।

यह कार्यक्रम मुस्कुराहटों, प्रार्थनाओं और गर्व भरे पलों से भरा था, जिसमें माता-पिता और बच्चों ने एक साथ हिस्सा लिया जिसका शुभारसम्भ इंजीनियर बी एस यादव, चान्सलर, आईईएस यूनिवर्सिटी, द्वारा किया गया। यह कार्यक्रम आईईएस पब्लिक स्कूल द्वारा विद्या केवल ज्ञान नहीं, बल्कि संस्कार, संस्कृति और जीवन-मूल्यों का प्रथम प्रकाश है के लिए आयोजित किया गया। जिसमे नर्सरी के छात्रों ने पवित्र विद्यारंभ संस्कार समारोह के साथ सीखने की दुनिया में अपना पहला कदम रखा। अंत में आईईएस पब्लिक स्कूल की ग्रुप डाइरेक्टर प्रोफ मनीषा क्राथेकर ने सभी पालको का आभार व्यक्त किया जिन्होंने गर्व के साथ अपने बच्चों को पहला लिखने से लेकर आशीर्वाद पाने तक उनकी सीखने की यात्रा की एक बेहतरीन शुरुआत थी।

विधायक राय ने किया सिद्धपुर द्वार निर्माण का भूमि पूजन

सागर चौपाल फोरलेन पर बनाया जाएगा सिद्धपुर द्वार

सीहोर (निप्र)। शहर के सौंदर्य करण को लेकर विधायक सुदेश राय सक्रिय बने हुए हैं। दूसरे सिद्धपुर द्वार निर्माण का विधायक सुदेश राय ने भूमि पूजन किया। यहां सिद्धपुर द्वारा सागर चौपाल रफीगंज ढकिया फोरलेन हाईवे पर बनाया जाएगा। सैकडा खेड़ी जोड़ पर भी सिद्धपुर द्वार निर्माण शुरू हो चुका है। विधायक सुदेश राय के द्वारा इस सिद्धपुर द्वार का भी भूमि पूजन किया गया था। जल्दी ही सागर चौपाल पर भी सिद्धपुर द्वार निर्माण कार्य शुरू होगा। इसके बाद क्रिसेंट चौराहा पर भी सिद्धपुर द्वार पूजन संपन्न होगा।भूमि पूजन कार्यक्रम में रफीगंज ढकिया भाजपा मंडल अध्यक्ष सरपंच नीरज परमार, विजय यादव, पीडब्ल्यूडी अधिकारी एकता वर्मा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, ग्रामीण जन भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत उमंग हेल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम के तहत मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सत्र आयोजित

सीहोर (निप्र)। राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (RKSK) अंतर्गत संचालित उमंग हेल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम के तहत शासकीय हाई स्कूल, ग्वालटोली, सीहोर में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। सत्र का संचालन उमंग स्वास्थ्य केंद्र, जिला चिकित्सालय सीहोर के किशोर स्वास्थ्य परामर्शदाता ममतेश राठौर द्वारा किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व, तनाव प्रबंधन, सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास विकसित करने तथा आवश्यकता पड़ने पर समय रहते परामर्श लेने के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सत्र के दौरान विद्यार्थियों को सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग के दुष्प्रभावों से भी अवगत कराया गया। बताया गया कि सोशल मीडिया का अनियंत्रित उपयोग मानसिक तनाव, चिंता, अवसाद, नींद की कमी, पढ़ाई में एकाग्रता में कमी तथा आत्मविश्वास में गिरावट का कारण बन सकता है। विद्यार्थियों को सोशल मीडिया का संतुलित एवं जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग करने, नियमित खेलकूद, योग, व्यायाम तथा रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न सहभागितापूर्ण गतिविधियां (Activities) भी आयोजित की गईं। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को भावनाओं की पहचान, तनाव से निपटने के उपाय, सकारात्मक व्यवहार तथा टीम वर्क के महत्व को व्यावहारिक रूप से समझाया गया।

विधायक राय की प्रेरणा से सरपंच संघ जिलाध्यक्ष ने किया पौधारोपण

सीहोर (निप्र)। विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक पर्यावरण प्रेमी सुदेश राय की प्रेरणा से अब विधानसभा क्षेत्र के जन प्रतिनिधि भी जन्मदिवस के अवसर पर पौधारोपण को महत्व दे रहे हैं इसी श्रेणी में सरपंच संघ के जिलाध्यक्ष भाजपा नेता एलम सिंह दांगी ने अपने जन्म दिवस शुक्रवार को किसी भी प्रकार का शोर शराबा नहीं करते हुए अपने समर्थकों के साथ विधायक सुदेश राय की विशेष उपस्थिति में शाहपुर कोडिया स्थित गौशाला परिसर में 101 पौधो का रोपण किया और ग्रामीण जनों को पर्यावरण संरक्षण अधिक से अधिक पौधारोपण पूर्व जन्म दिवस पर फिजूल खर्ची नहीं करने का पुनीत पावन संदेश दिया। जन्मदिवस कार्यक्रम के दौरान भाजपा नेता एलम सिंह दांगी ने कहा कि विधायक की प्रेरणा से एक पौधा प्रकृति के नाम एक संकल्प हरियाली के साथ कार्यक्रम हमारे द्वारा रखा गया और पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के विधायक जी के अभियान को सार्थक किया।कार्यक्रम में शामिल रहे विधायक सुदेश राय,सरपंच रमेश मेवाड़ा, सचिव अखिलेश मेवाड़ा, अभिषेक मेवाड़ा सहित विभिन्न ग्राम पंचायत के सरपंचो पचों भाजपा कार्यकर्ताओं ग्रामीणजनों ने सरपंच संघ जिला अध्यक्ष एलम सिंह दांगी को जन्मदिवस की बधाई शुभकामनाएं दी और पौधारोपण कार्यक्रम में सहभागी बने।

आज जूनियर टीम के गठन के लिए चर्च मैदान पर ट्रायल

सीहोर क्लब ने रोमांचक मुकाबले में सीहोर क्लब ने एमजी क्लब को 2-1 से हराया

सीहोर (निप्र)। शहर के चर्च मैदान पर जारी प्रतियोगिता के अंतर्गत शुक्रवार की शाम को एक रोमांचक मुकाबले सीहोर क्लब ने सीहोर एमजी क्लब को 2-1 से हराया। इस मैच में सीहोर क्लब की ओर से अंतिम समय में आदित्य ने शानदार गोल किया। वहीं शनिवार की शाम को चार बजे आगामी दिनों में जूनियर राज्य स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता के लिए जिला स्तरीय फुटबाल टीम की ट्रायल का आयोजन जिला फुटबाल एसोसिएशन के तत्वाधान में किया जाएगा।

एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि शुक्रवार की शाम को खेले गए कांटे के मुकाबले में सीहोर क्लब ने एमजी क्लब पर 2-1 से शानदार जीत दर्ज की। इस मैच में सीहोर क्लब की ओर से दीपक-आदित्य ने 1-1 गोल के अलावा एमजी क्लब की ओर से वंश ने 1 गोल किया। इसके अलावा मध्यप्रदेश फुटबाल एसोसिएशन के तत्वाधान में आगामी दिनों में होने वाली जूनियर टीम के लिए 18 जुलाई को शहर के चर्च मैदान पर ट्रायल का आयोजन किया जाएगा। इसमें 15 साल से 17 साल की आयु वर्ग के खिलाड़ी शामिल रहेंगे। इसको लेकर जिला फुटबाल एसोसिएशन के सचिव मनोज कन्नोजिया ने ट्रायल के लिए एक समिति का गठन किया है।

महिलाओं के सम्मान की अनूठी पहल

अब डी बी सी पी एल टोल प्लाजा पर मात्र रु 1 में मिलेगा सेनेट्री पैड

सीहोर (निप्र)। देवास-भोपाल कॉरिडोर प्राइवेट लिमिटेड के वर्टिस फाउंडेशन की सीएसआर प्रबंधन टीम ने महिलाओं की गरिमा, सम्मान और सुरक्षित यात्रा को ध्यान में रखते हुए एक सराहनीय पहल की है। आज से फंदा, अमलाहा एवं भोरासा टोल प्लाजा के सार्वजनिक महिला शौचालयों में सेनेट्री पैड वेंडिंग मशीन की सुविधा शुरू कर दी गई है। अब यात्रा के दौरान आवश्यकता पड़ने पर महिलाएं मात्र रू 1 का सिक्का डालकर आसानी से सेनेट्री पैड प्राप्त कर सकेंगी। इस अवसर पर सीएसआर प्रबंधन टीम ने बताया कि यात्रा के दौरान कई बार प्राकृतिक कारणों से महिलाओं को असहज परिस्थितियों और शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता है। इसी संवेदनशील विषय को ध्यान में रखते हुए तीनों टोल प्लाजा पर यह सुविधा प्रारंभ की गई है, ताकि हर महिला सम्मान और आत्मविश्वास के साथ अपनी यात्रा जारी रख सके। यह जनहितकारी पहल डीजीएम परियोजना अजय मिश्रा के मार्गदर्शन तथा समाजसेवी संजु मालवीय महिला मण्डल सीहोर की गरिमामयी उपस्थिति में प्रारंभ की गई। संस्था ने कहा कि महिलाओं की गरिमा और सम्मान की रक्षा सामाजिक दायित्व है तथा भविष्य में भी ऐसे लोकहितकारी कार्य निरंतर किए जाते रहेंगे।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस तलैया,भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com